www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 हिंदी विरोध की खतरनाक राजनीति: राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव पर भारी

थाइलैंड में कोर्ट ने पीएम को पद से हटाया 06

वर्ष :17 | अंक :91 | प्रयागराज , बुधवार , 02 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

यूनेस्को की 40% साइटें पानी की कमी का कर रही सामना, ताजमहल का नाम भी शामिल

एक नए विश्लेषण से पता चलता है कि भारत सहित सभी गैर-समुद्री यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में से 73% कम से कम गंभीर जल जोखिम (जल तनाव, सूखा, नदी या तटीय बाढ़) से ग्रस्त हैं, जिनमें से 21% को एक वर्ष बहुत अधिक पानी होने और दूसरे वर्ष बहुत कम पानी होने की दोहरी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विश्व संसाधन संस्थान के एक्वाडक्ट डेटा (जो एक जल जोखिम एटलस भी है) पर आधारित विश्लेषण में कहा गया है कि भारत में गंभीर जोखिम वाले स्थलों में ताजमहल, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट, महाबलीपुरम में स्मारक समूह और महान जीवित चोल मंदिर शामिल हैं। यूनेस्को की लगभग 40% साइटें जल तनाव और सूखे से संबंधित समस्याओं का सामना कर रही हैं, और 33% और 4% नदी बाढ़ और तटीय बाढ़ के जोखिम का सामना कर रही हैं। पानी पृथ्वी के कुछ सबसे प्रिय स्थानों को प्रभावित कर रहा है। उदाहरण के लिए, ताजमहल को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है जो प्रदूषण को बढ़ा रहा है और भूजल को कम कर रहा है,

भारतीय रेलवे ने लॉन्च किया रेलवन ऐप, एक प्लेटफॉर्म पर मिलेगी रेल से जुड़ी सारी सेवाएं

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवन मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किया, जिसे यात्रियों को टिकट बुकिंग, ट्रेन और पीएनआर पूछताछ, यात्रा योजना, रेल सहायता और भोजन बुकिंग सहित कई सेवाओं तक सुविधाजनक पहुँच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध इस ऐप का उद्घाटन सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम्स (सीआरआईएस) के 40वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान किया गया। रेल मंत्रालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में रेलवन ऐप को सभी यात्री जरूरतों के लिए एक व्यापक समाधान बताया गया।

इसने इस बात पर प्रकाश डाला कि उपयोगकर्ता आरक्षित और अनारक्षित टिकटिंग, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेन और पीएनआर पूछताछ और भोजन बुकिंग जैसी विभिन्न सेवाओं तक सीधे ऐप के माध्यम से पहुँच सकेंगे। संचार में यह भी कहा गया है कि इसमें माल ढुलाई पूछताछ की सुविधाएँ भी शामिल हैं। मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि ऐप का प्राथमिक उद्देश्य सरल और सहज इंटरफेस के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि ऐप न केवल सभी सेवाओं को एक स्थान पर एकीकृत करता है, बल्कि यह उन सेवाओं के बीच एकीकृत कनेक्टिविटी भी प्रदान करता है

राष्ट्रपति मुर्मू ने आयुष विश्वविद्यालय का किया लोकार्पण

कहा- पूरे विश्व में बज रहा भारत का डंका

उद्घाटन समारोह

मुर्मू ने इस विश्वविद्यालय के रोजगारपरक पाठ्यक्रमों और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध पर जोर देने की सराहना की। उत्तर प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, जनसेवा के लिए अथक परिश्रम जरूरी है। जनसेवा में थकना नहीं चाहिए।उन्होंने विश्वविद्यालय से जुड़े लोगों से कहा, आपको थकने का अधिकार नहीं है।

एजेंसी

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी संपत्ति है और यदि हम स्वस्थ रहेंगे, तभी 2047 तक विकसित भारत और विश्व गुरु बनने का सपना पूरा हो सकेगा। वह गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रही थीं। यह विश्वविद्यालय 268 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुआ है। राष्ट्रपति ने 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा, योग को आज विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई है। शारीरिक श्रम करने वालों के लिए योग उतना जरूरी नहीं, लेकिन कार्यालयों में काम करने वालों के लिए यह बेहद आवश्यक है।उन्होंने भारत की समृद्ध परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा, हम अपने पूर्वजों, ऋषि-मुनियों की संतान हैं, इसलिए उनकी गरिमा को बनाए रखना हमारा दायित्व है। राष्ट्रपति ने कहा, आज भारत का गौरव विश्व भर में गूंज रहा है। इस गौरव को और बढ़ाने के लिए प्रत्येक भारतीय को स्वस्थ रहना होगा। यदि हम स्वस्थ रहेंगे, तभी 2047 तक विकसित भारत और विश्व गुरु बनने का सपना साकार होगा। इसके लिए हमें अभी से प्रयास शुरू कर देने चाहिए। मुर्मू ने इस विश्वविद्यालय के रोजगारपरक पाठ्यक्रमों और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध पर जोर देने की सराहना की। उत्तर प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, जनसेवा के लिए अथक परिश्रम जरूरी है। जनसेवा में थकना नहीं चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय से जुड़े लोगों से कहा, आपको थकने का अधिकार नहीं है।दिन-रात मेहनत करनी होगी और निद्राजीत बनना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसेवा और समर्पण की प्रशंसा करते हुए मुर्मू ने कहा, योगी जी और उनके मंत्री जनता को हर सुविधा प्रदान करते हैं। इस विश्वविद्यालय के अधिकारियों, डॉक्टरों और नर्सों को भी निद्राजीत बनकर जनता की सेवा करनी होगी।महायोगी गुरु गोरखनाथ को नमन करते हुए उन्होंने कहा, मुझे बताया गया कि आदि शंकराचार्य के बाद गुरु गोरखनाथ जैसा प्रभावशाली व्यक्तित्व नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गोरखपुर योग की भूमि है, जिसे गुरु गोरखनाथ ने आध्यात्मिक ऊर्जा से समृद्ध किया है।

योगी की 3 घंटे में भी पूरी हो जाती नींद

राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टर कहते हैं कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपको 6 से 8 घंटे की नींद लेना जरूरी होता है. लेकिन जो योगी होता है, वह योग से जो अपने शरीर पर नियंत्रण प्राप्त कर लेता है, वह निद्राजीत हो जाता है. वह 3 घंटे की नींद में भी अपने आप को पूरी तरह से चैतन्य अवस्था में पाता है. इसलिए योग और आयुष की इस विधा को हमें न सिर्फ अपनाना है बल्कि, भारत को विश्वगुरु बनाने में हमारी इस ऋषि परंपरा को आगे ले जाने की जरूरत है. सरकार इसके लिए बेहतर प्रयास कर रही है. वह संसाधन को उपलब्ध करा सकती है. लेकिन चिकित्सकों और इसके उपयोगकर्ताओं पर निर्भर करता है कि वह इसकी महत्ता को समझे और खुद को निरोगी काया देते हुए, विश्व को बड़ा संदेश देने का काम करें. राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया की जो चिकित्सा पद्धति थी एलोपैथी, यूनानी, होम्योपैथी आज भारत उसको अपना चुका है. जबकि दुनिया के तमाम देश आयुष और योग की तरफ आगे बढ़ रहे हैं. इसलिए हमें अपनी परंपरा को जीवंतता प्रदान करनी है, तभी भारत विश्व गुरु बन पाएगा.

जीएसटी आर्थिक अन्याय और कॉर्पोरेट भाईचारे का क्रूर हथियार

जीएसटी के आठ साल पूरे, बोले राहुल गांधी

राहुल ने कहा कि भारत के सबसे बड़े रोजगार सृजक एमएसएमई को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। आठ साल पहले जीएसटी लागू होने के बाद से 18 लाख से अधिक उद्यम बंद हो गए हैं। नागरिक अब चाय से लेकर स्वास्थ्य बीमा तक हर चीज पर जीएसटी का भुगतान करते हैं, जबकि कॉरपोरेट सालाना 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर छूट का आनंद लेते हैं।

देश के सबसे बड़े कर सुधारों में से एक, जीएसटी की शुरूआत ने भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को एक सुव्यवस्थित कर संरचना में एकीकृत करने में मदद की।

एजेंसी

भारत सरकार द्वारा हर साल 1 जुलाई को मनाया जाने वाला जीएसटी दिवस, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के औपचारिक रूप से लागू होने की आठवीं वर्षगांठ का प्रतीक है। देश के सबसे बड़े कर सुधारों में से एक, जीएसटी की शुरूआत ने भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को एक सुव्यवस्थित कर संरचना में एकीकृत करने में मदद की। जीएसटी के शुभारंभ के दिन का उपयोग जीएसटी ढांचे के बारे में जागरूकता और अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है।हालांकि, यह बात भी सही है कि कांग्रेस लगातार इसका विरोध करती रही है। आज एक बार फिर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसको लेकर सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि 8 साल बाद, मोदी सरकार का जीएसटी कोई कर सुधार नहीं है - यह आर्थिक अन्याय और कॉर्पोरेट भाईचारे का क्रूर हथियार है। इसे गरीबों को दंडित करने, एमएसएमई को कुचलने, राज्यों को कमजोर करने और प्रधानमंत्री के कुछ अरबपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया था।उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि एक अच्छा और सरल कर का वादा किया गया था। इसके बजाय, भारत को अनुपालन का दुःस्वप्न और पाँच-स्लैब कर व्यवस्था मिली, जिसमें 900 से अधिक बार संशोधन किया गया है। यहाँ तक कि कारमेल पॉपकॉर्न और क्रीम बन भी इसके भ्रम के जाल में फँस गए हैं। उन्होंने आगे लिखा कि नौकरशाही की भूलभुलैया बड़े कॉरपोरेट्स के पक्ष में है, जो एकाउंटेंट की सेना के साथ इसकी खामियों को दूर कर सकते हैं

बेंगलुरु भगदड़ के लिए ट्रिब्यूनल ने आरसीबी को ठहराया जिम्मेदार

कहा- पुलिसकर्मी भी इंसान हैं भगवान नहीं

कैट ने कहा कि इसलिए प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि लगभग तीन से पांच लाख लोगों के एकत्र होने के लिए आरसीबी जिम्मेदार है। आरसीबी ने ही पुलिस से उचित अनुमति या सहमति नहीं ली। कैट ने अपनी समीक्षा रिपोर्ट में कहा, अचानक उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया

एजेंसी

बेंगलुरू। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण यानी ट्रिब्यूनल ने मंगलवार को बीते 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर विक्ट्री परेड के दौरान हुई भगदड़ के लिये रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जिम्मेदार ठहराया है। ऐसे में अब आरसीबी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। बता दें कि इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

कैट ने कहा कि जब 4 जून को समय की कमी के चलते पुलिस उचित व्यवस्था करने में असमर्थ जताई तो अचानक आरसीबी ने विक्ट्री परेड क्यों निकाला। पुलिसकर्मी भी इंसान हैं। वे न तो भगवान हैं और न ही जादूगर और न ही उनके पास अलाद्दीन का चिराग जैसी जादुई शक्तियां हैं जो केवल उंगली रगड़ने से किसी भी इच्छा को पूरा कर सकती हैं।जिसके परिणाम बता दें कि आरसीबी ने चार जून की सुबह की परेड और प्रशंसकों के कार्यक्रम के बारे में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया था और न्यायाधिकरण ने पाया कि पुलिस विभाग के पास इतने कम समय में इतनी बड़ी भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं था।

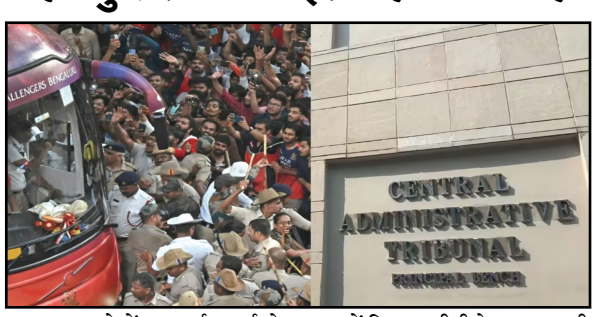

देश में कहीं पर भी दर्ज हो एफआईआर, 3 साल में मिलकर रहेगा न्याय...

नए अपराधिक कानूनों पर बोले अमित शाह

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि तीन नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम आने वाले दिनों में आपराधिक न्याय प्रणाली को बदल देंगे। आज इन तीन नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा कि इस प्रणाली के पूर्ण कार्यान्वयन में अधिकतम तीन वर्ष लगेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली के सामने सबसे बड़ी समस्या न्याय प्राप्त करने के लिए समयसीमा का अभाव है।

शाह ने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इसके बाद देश के किसी भी कोने में एफआईआर दर्ज करें, आपको 3 साल के भीतर न्याय मिलेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा।

शाह ने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इसके बाद देश के किसी भी कोने में एफआईआर दर्ज करें, आपको 3 साल के भीतर न्याय मिलेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा। बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए ने क्रमशः औपनिवेशिक युग की भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली। नए कानून 1 जुलाई, 2024 को लागू हुए। गृह मंत्री ने तीनों कानूनों को स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा सुधार करार दिया और कहा कि प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी अपराधी अपराध करने के बाद सजा से बच नहीं पाएगा।उन्होंने कहा कि न्याय निश्चित रूप से तय समय के भीतर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी सरकार, आपकी चुनी हुई सरकार ने आपके लिए कानून बनाए हैं ।

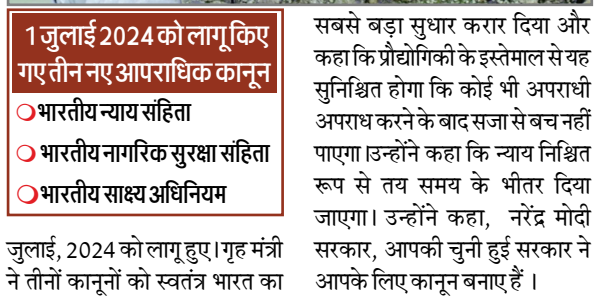

1 जुलाई 2024 को लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानून

- भारतीय न्याय संहिता
- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता
- भारतीय साक्ष्य अधिनियम

ओडिशा में सरकारी अफसर की ऑफिस में घुसकर पिटाई

सीएम ने दिया सख्त कार्रवाई का आश्वासन, तीन गिरफ्तार

बीएमसी कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा की मांग को लेकर धरना देने और कार्य बहिष्कार की घोषणा के बाद मुख्यमंत्री ने सोमवार देर रात ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओएएस) एसोसिएशन के सदस्यों से भी मुलाकात की

एजेंसी

ओडिशा में सोमवार को उस समय तनाव फैल गया जब भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) के अतिरिक्त आयुक्त पर उनके कार्यालय के अंदर कथित तौर पर हमला किया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घटना की निंदा की है और अपराधियों और पर्दे के पीछे से अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है, चाहे वे कितने भी शक्तिशाली क्यों न हों। अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और बाकी की तलाश जारी है।

तमिलनाडु के शिवकाशी में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

8 लोगों के जिंदा जले, कई घायल अस्पताल में भती

तमिलनाडु के शिवकाशी में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट में दो महिलाओं समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट विरुधुनगर जिले के चिन्नाकमनपट्टी के पास गोकुलेश पटाखा फैक्ट्री में हुआ।

एजेंसी

तमिलनाडु के शिवकाशी में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट में दो महिलाओं समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट विरुधुनगर जिले के चिन्नाकमनपट्टी के पास गोकुलेश पटाखा फैक्ट्री में हुआ। फैक्ट्री से घना धुआं उठता देखा गया और अंदर पटाखों में लगातार विस्फोट हो रहे थे। अब तक कई गंभीर घायल लोगों को बचाया जा चुका है।

पटाखा फैक्ट्री में हुआ विस्फोट, छह लोगों की मौत

मंगलवार सुबह तमिलनाडु में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट विरुधुनगर जिले के शिवकाशी के पास चिन्ना कमानपट्टी गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में हुआ।

विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई

सूत्रों के अनुसार, विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई और फैक्ट्री से घना धुआं उठता देखा गया और अंदर से लगातार पटाखों के फटने की आवाजें आ रही थीं। विस्फोट का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

मनोजीत कैंपस में नजर आ जाए तो क्लास छोड़ने लगती थी छात्राएं

कोलकाता गैंगरेप के आरोपी पर होश उड़ाने वाला खुलासा

छात्रा ने कहा कि कैंपस में डर का माहौल था। वह छात्राओं की तस्वीरें खींचता था, उन्हें मॉर्फ करता था और उन्हें वॉट्सऐप ग्रुप में प्रसारित करता था। उन्होंने कहा कि मिश्रा ने पहले भी महिला छात्राओं का यौन उत्पीड़न किया है और छात्राएं उनकी धमकी के कारण कक्षाओं में जाने से डरती हैं।

एजेंसी

कोलकाता में 24 वर्षीय कानून की छात्रा के साथ बलात्कार के सिलसिले में गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद, उसी कॉलेज की एक अन्य छात्रा ने परिसर में मोनोजीत मिश्रा के डर के बारे में खुलासा किया है। मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा और दो अन्य को पीड़िता द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद गिरफ्तार किया गया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मिश्रा ने दक्षिण कलकत्ता लॉ कॉलेज के परिसर में उसके साथ बलात्कार किया।

वार | गौरव भाटिया का आरजेडी पर वार

मौलाना तेजस्वी हमें बताइए कि क्या आपने कभी संविधान पढ़ा है?

एजेंसी

नई दिल्ली , भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजद नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला और उन पर शरिया कानून को बढ़ावा देने और संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया। भाटिया ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर यादव की टिप्पणी की आलोचना की और उन पर और उनकी पार्टी पर संविधान का अनादर करने और सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। मीडिया को संबोधित करते हुए भाटिया ने कहा कि बिहार में जो लोग खुद को समाजवादी कहते हैं, वे असल में 'नमाजवादी' हैं। ये 'नमाजवादी' डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को नहीं चाहते। वे न तो उसका सम्मान करते हैं और न ही उसका पालन करते हैं। वे असल में शरिया कानून चाहते हैं। वे 'हलाल' जैसी प्रथाओं का समर्थन करते हैं और मानते हैं कि केवल एक विशेष धर्म को ही सशक्त बनाया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अगर कोई दलितों, महिलाओं और पिछड़े समुदायों को सशक्त बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का विरोध कर रहा है, तो यह कहना गलत नहीं होगा कि यह राजद और तेजस्वी यादव हैं। तेजस्वी यादव द्वारा वक्फ संशोधन कानून को खारिज करने की कथित टिप्पणी का सीधा संदर्भ देते हुए भाटिया ने कहा, भाजपा संविधान की बात करेगी, जबकि आप शरिया को बढ़ावा देंगे।

भाटिया ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर यादव की टिप्पणी की आलोचना की और उन पर और उनकी पार्टी पर संविधान का अनादर करने और सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जिस तरह से कहा कि भारतीय संसद द्वारा पारित कानून, वक्फ संशोधन कानून, वह उसे कूड़ेदान में डाल देंगे, यह दुखद है।

कृपया मुझे बताएं, क्या आपने कभी संविधान पढ़ा है? क्या आप संविधान के मूल नियमों को भी जानते हैं? एक कानून जो संसद में पारित होता है, संसद द्वारा अनुमोदित होता है, आप यह कैसे कह सकते हैं कि एक राज्य का नेता उसे कूड़ेदान में फेंक सकता है? उन्होंने कहा कि कल नवीं फेल पूर्व उप मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कह रहे थे कि भारत की संसद से पारित वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में डाल देंगे। नमाजवादी और तुष्टिकरण के मसीहा मौलाना तेजस्वी यादव ये हमें बताइए कि क्या आपने कभी संविधान पढ़ा है, कभी उसकी मूल भावना को चरितार्थ किया है? उन्होंने कहा कि जंगलराज बिल्कुल लालू और तेजस्वी जैसा होता है। जंगलराज का पहला नियम है, संविधान और कानून की धज्जियां उधेड़ दी जाती हैं और वो ही काम विपक्ष में रहकर तेजस्वी यादव कर रहे हैं।

शिमला में एनएचएआई मैनेजर पर हमला, गडकरी हुए नाराज

सीएम सुक्खू को मिलाया फोन, तत्काल कार्रवाई की मांग

गडकरी ने हमले को जघन्य और गंभीर रूप से निंदनीय बताते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से त्वरित और अनुकरणीय कार्रवाई की मांग की है।

एजेंसी

नई दिल्ली , केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एनएचएआई शिमला के प्रबंधक अचल जिंदल पर कथित हमले की निंदा की है, जिसे कथीत तौर पर हिमाचल प्रदेश के पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह और उनके छह सहयोगियों ने अंजाम दिया है। इस घटना ने राजनीतिक बवाल मचा दिया है। गडकरी ने हमले को जघन्य और गंभीर रूप से निंदनीय बताते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से त्वरित और अनुकरणीय कार्रवाई की मांग की है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा कि एनएचएआई पीआईयू शिमला के प्रबंधक अचल जिंदल पर हिमाचल प्रदेश के पंचायती राज मंत्री और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया जघन्य हमला अत्यंत निंदनीय है और कानून के शासन का अपमान है।

सम्पादकीय

कोलकाता लॉ कॉलेज में दुष्कर्म, पश्चिम बंगाल सरकार को शर्मसार करने वाली घटना

विडंबना यह है कि महिलाओं के संदर्भ में समाज की मानसिकता बदलने का काम राजनीतिक दलों के एजेंडे से करीब-करीब बाहर है। दुष्कर्म की घटनाओं पर राजनीतिक दल आरोप-प्रत्यारोप में तो उलझ जाते हैं लेकिन इस पर ध्यान नहीं देते कि वे अपने कैडर एवं समर्थकों को महिला सुरक्षा के संदर्भ में कोई सही संदेश दे पा रहे हैं या नहीं? कम से कम अब तो सभी दल ऐसा करें।पहले मेडिकल कालेज में डाक्टर के साथ और अब ला कालेज में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना पश्चिम बंगाल सरकार को शर्मसार करने वाली ही है। चिंताजनक यह है कि ये दोनों घटनाएं एक वर्ष के अंदर कोलकाता के उन परिसरों में हुईं, हुई जहां इसकी न्यूनतम आशंका होती है। यह तथ्य कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है कि देश को चिंतित करने वाली दोनों घटनाएं बंगाल की राजधानी कोलकाता में हुईं। यह ठीक है कि ला कालेज में सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर कोलकाता पुलिस ने तत्परता दिखाई, लेकिन यह दुर्योग नहीं हो सकता कि दोनों घटनाओं में तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोग सामने आए। मेडिकल कालेज की घटना पर तो तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने लीपापोती करने की भी कोशिश की थी। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि ला कालेज की घटना पर ममता सरकार गंभीर नजर आ रही है, क्योंकि अभियुक्तों पर निगाह डालने से यही स्पष्ट होता है कि तृणमूल कांग्रेस में अराजक तत्व शरण पा रहे हैं। इसे इंगित करने वाली घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। ममता बनर्जी सरकार में बहुत कुछ वैसा हो रहा है, जैसा कभी वाम दलों की सरकारों के समय हुआ करता था। ला कालेज की घटना इसलिए कहीं अधिक गंभीर है, क्योंकि छात्रा के साथ दुष्कर्म गार्ड रूम में हुआ और घटना में कालेज के कुछ छात्र लिप्त पाए गए। इस घटना पर तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेताओं ने बेहद शर्मनाक बयान दिए। इसका कोई मतलब नहीं कि पार्टी ने अपने नेताओं के अपमानजनक बयानों पर नाराजगी प्रकट की और संबंधित विधायक एवं सांसद की खिंचाई की। इससे उनकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। वे पहले भी अभद्र बयान देते रहे हैं। जब राजनीति में ऐसे लोग होंगे, तो वे समाज पर घातक असर डालेंगे ही। यह सोचा जा रहा था कि दुष्कर्म संबंधी कानून कठोर करने के बाद दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं थमेंगी, लेकिन ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है। कई राज्यों में किशोरियों के साथ दुष्कर्म की घटनाओं के दोषियों को मृत्युदंड देने के प्रविधान किए गए हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। दुष्कर्म की घटनाएं कानून एवं व्यवस्था पर ही सवाल नहीं उठातीं, बल्कि समाज की मानसिकता को भी बयान करती हैं। विडंबना यह है कि महिलाओं के संदर्भ में समाज की मानसिकता बदलने का काम राजनीतिक दलों के एजेंडे से करीब-करीब बाहर है।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशि : करियरः माता-पिता के आशीर्वाद से आज काम में अच्छे परिणाम मिलेंगे। आपके व्यवहार और काम का सकारात्मक असर दूसरों पर पड़ेगा.बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो बिजनेस से जुड़े अनुभवी लोगों से सलाह जरूर लें.

वृषभ राशिः करियरः आज दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, धैर्य बनाकर रखें व्यवसायिक गतिविधियां थोड़ी धीमी रहेंगी, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए संयम ही उचित रहेगा

मिथुन राशि : करियरः नई नौकरी के योग बन रहे हैं. किसी उलझन का समाधान होगा जिससे मन हल्का रहेगा.आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान दें. खर्चों को सीमित रखें और अनावश्यक मामलों में हस्तक्षेप से धनः किसी दोस्त की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है. लेन-देन में सावधानी रखें.

कर्क राशिः करियरः दिनचर्या व्यवस्थित रखने से कार्य समय पर पूरे होंगे. काम पर ध्यान देना भविष्य में फायदेमंद रहेगा बिजनेसः बिजनेसमैन किसी कंपनी के साथ साझेदारी कर सकते हैं. नई योजनाओं पर काम शुरू होगा.धनः वित्तीय मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें.

सिंह राशिः करियरः वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा. ऑफिस में प्रेजेंटेशन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है. बिजनेसः नया कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है. राजनीतिक संबंध भी लाभधनः रुके हुए पैसे वापस मिल सकते हैं.

कन्या राशिः करियरः ऑफिस में काम का दबाव रहेगा. सहयोगियों से तालमेल बनाए रखें बिजनेसः व्यावसायिक सफलता से माता-पिता प्रसन्न होंगे. फिजूलखर्ची से बचें. अपनी जरूरतों को प्राथमिकता दें.प्रोजेक्ट पूरा करने में भाई-बहन या टीचर की मदद लें.

तुला राशिः करियरः दिन तरक्की देने वाला रहेगा. कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी.बिजनेसः अटका पैसा वापस मिलने की संभावना है.धनः सुख-सुविधा की वस्तुओं की खरीदारी में खर्च होगा.

वृश्चिक राशिः करियरः काम समय पर पूरे होंगे. समाज में आपकी छवि सुधरेगी.आज व्यवसाय में लाभ की स्थिति बन सकती है.परिवार पर धन खर्च होगा शिक्षकों का दिन व्यस्त रहेगा.

धनु राशि : करियरः जीवनसाथी के साथ बाहर जाने का मौका मिलेगा. किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन लाभ देगा. बिजनेसः कोई नई योजना शुरू हो सकती है.धनः रुकी हुई आर्थिक समस्या सुलझ सकती है.

मकर राशिः करियरः परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी. सकारात्मक सोच से काम सफल होंगे.बिजनेसः प्रॉपर्टी डीलिंग से लाभ मिल सकता है.धनः धन के मामलों में सजग रहें.

कुंभ राशिः करियरः अतिरिक्त जिम्मेदारियां पूरी होंगी. समाज में पहचान बढ़ेगी.फैशन डिजाइनिंग से लाभ हो सकता है.आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी.विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन लगेगा.

मीन राशि : करियरः कार्यक्षेत्र में तालमेल अच्छा रहेगा. मार्केटिंग में सफलता मिलेगी.बिजनेसः बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ की सलाह लें.धनः धन से जुड़ा मामला सुलझ सकता है.शिक्षाः छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा.लव/पारिवारिकः लवमेट के लिए दिन शानदार रहेगा. जीवनसाथी से भावनात्मक सहयोग मिलेगा.उपायः मछलियों को आटा खिलाएं.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

हिंदी विरोध की खतरनाक राजनीतिः राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव पर भारी

महाराष्ट्र में हिंदी विरोध के मूल में सस्ती राजनीति ही है। अपने मुद्दों की नाकामी से जनाधार गंवा चुके राजनीतिक दलों और नेताओं को लगता है कि मराठी अस्मिता के जांचे-परखे पुराने दांव से शायद भविष्य में उनकी चुनावी नैया पार लग जाएगी लेकिन संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए वे जो कीमत चुकाने पर आमादा हैं वह राष्ट्रीय एकता अखंडता और सामाजिक सौहार्द पर भारी पड़ सकती है।

पा दक्षिण भारत में अक्सर राजनीतिक हित साधने के लिए हिंदी विरोध को एक कारगर हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा है। अब लगता है कि महाराष्ट्र की बारी है। जिन अहिंदी भाषी राज्यों में भी हिंदी बोलने-समझने वाले ही नहीं, हिंदी लिखनेवाले भी बड़ी संख्या में मिल जाते हैं, उनमें महाराष्ट्र अग्रणी है। मूलतः मराठीभाषी हिंदी साहित्यकारों और पत्रकारों की संख्या भी कम नहीं है। जिस हिंदी सिनेमा की हिंदी भाषा के प्रसार में बड़ी भूमिका की बात कही जाती है, उसका केंद्र महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई ही है। मराठी मूल के असंख्य लोगों ने फिल्म निर्माण से लेकर अभिनय तक, हिंदी सिनेमा में बड़ा नाम कमाया है। दादा साहेब फाल्के को भारतीय फिल्म उद्योग का पितामह कहा जाता है। देश का सबसे प्रतिष्ठित फिल्म सम्मान ह्यदादा साहेब फाल्के अवार्डह्ल उन्हीं की स्मृति में दिया जाता है। क्या वी. शांताराम के बिना हिंदी सिनेमा की कहानी कही जा सकती है? यह फेहरिस्त बहुत लंबी बन सकती है। महाराष्ट्र में अब त्रिभाषा फामूर्ले के अंतर्गत स्कूलों में हिंदी पढ़ाए जाने के फैसले को हिंदी थोपना बता कर बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाया जा रहा है। नई शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, जिनमें से दो भारतीय और तीसरी विदेशी होगी। नई शिक्षा नीति के अनुरूप ही त्रिभाषा फामूर्ले को लागू करते हुए महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक मराठी, हिंदी और अंग्रेजी पढ़ाए जाने का फैसला लिया। इसका खासकर शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा जोरदार विरोध शुरू हो गया संकीर्ण राजनीति प्रेरित अतार्किक विरोध के आगे झुकते हुए महायुति सरकार ने अपने आदेश में संशोधन भी कर दिया कि विद्यार्थी मराठी और अंग्रेजी के साथ तीसरी भाषा के रूप में हिंदी के बजाय कोई अन्य भारतीय भाषा भी चुन सकते हैं। इसके बावजूद महाराष्ट्र में हिंदी विरोध थमता नहीं दिख रहा। उद्धव की शिवसेना और राज की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अब मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी पढ़ाए जाने के विरोध में संयुक्त विरोध प्रदर्शन करने जा रही हैं। अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस पाने के लिए उद्धव और राज ठाकरे की तरह शरद पवार भी मराठी अस्मिता के भावनात्मक मुद्दे को भुनाने का मौका नहीं चूकना चाहते। हिंदी विरोधी प्रदर्शन को उन्होंने भी समर्थन का एलान कर दिया है। ऐसा ही दबाव अन्य विपक्षी दलों पर भी नजर आ रहा है, क्योंकि ऐसे भावनात्मक मुद्दे हमारी चुनावी राजनीति में वास्तविक मुद्दों पर भारी पड़ते रहे हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने आरोप लगाया है कि अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में नई शिक्षा नीति को मंजूरी देने वाले उद्धव ठाकरे बीएमसी समेत आगामी नगर निगम चुनावों में राजनीतिक लाभ के लिए ही हिंदी विरोध को हवा दे रहे हैं। सच यह भी है कि बाला साहब ठाकरे द्वारा गठित शिवसेना की पहचान शुरू में हिंदी भाषा तथा गैर मराठी प्रवासियों के विरोधी की ही रही। मराठी अस्मिता के नाम पर ही शिवसेना ने महाराष्ट्र में अपने पैर पसारे, लेकिन पहले भाजपा से गठबंधन और फिर उससे तकरार के बाद कांग्रेस-राकांपा के साथ महा विकास अघाड़ी सरकार बनाने से वह पहचान धूमिल होती गई। अब जबकि राज ठाकरे के साथ ही उद्धव ठाकरे के समक्ष भी राजनीतिक भविष्य का संकट खड़ा हो गया है, तब दोनों मिलकर हिंदी विरोध के जरिये मराठी अस्मिता के मुद्दे को धार दे कर पुनरुत्थान की कोशिश कर रहे हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद दोनों ठाकरे भाइयों में एकता की चर्चाएं लगातार चलती रही हैं। हिंदी विरोध के रूप में उन्हें मनचाहा मुद्दा भी मिल गया है। बदलते सामाजिक-आर्थिक परिवेश में भाषाई संकीर्णता का यह मुद्दा कितना कारगर होगा, इसकी पहली परीक्षा बृहद मुंबई महापालिका यानी बीएमसी समेत कुछ नगर निगमों के निकट भविष्य में होनेवाले चुनावों में होगी। बीएमसी पर सभी दलों की नजर इसलिए भी रहती है कि उसका बजट देश के कई राज्यों से बड़ा है। आम धारणा है कि बीएमसी पर काबिज दल के लिए महाराष्ट्र में राजनीति करना आसान हो जाता है। महाराष्ट्र में हिंदी विरोध के मूल में सस्ती राजनीति ही है। अपने मुद्दों की नाकामी से जनाधार गंवा चुके राजनीतिक दलों और नेताओं को लगता है कि मराठी अस्मिता के जांचे-परखे पुराने दांव से शायद भविष्य में उनकी चुनावी नैया पार लग जाएगी, लेकिन संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए वे जो कीमत चुकाने पर आमादा हैं, वह राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में महाराष्ट्र के जागरूक नागरिकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। जन साधारण को समझाना होगा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी पढ़ाए जाने को हिंदी थोपना बता कर विरोध कर रहे राजनीतिक दलों और नेताओं ने राज्य में कभी अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों का विरोध नहीं किया। बेशक वैश्विक गांव की परिकल्पना के इस दौर में किसी विदेशी भाषा का विरोध भी समझदारी नहीं, पर एक ही विशाल भाषा परिवार की सदस्य भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के मुकाबले खड़ा करने की साजिश तो देश के प्रति अक्षम्य अपराध है।

प्रकृति का रौद्र रूप कहीं बाढ़ कहीं भूस्खलन

संजीव ठाकुर

भारत में वषार्काल मे भीषण प्राकृतिक वर्षा के फलस्वरुप बाढ़ भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल ,उत्तराखंड, असम, मेघालय, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है।देश के साथ एकसाथ विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है।यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस मैं सामंजस्य कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की आवश्यकता होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके ।आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्त रूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है ।आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता कथा विशेषताओं के साथ सामना करना चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

भारत के भू भाग का लगभग 58% क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68% भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12% है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूवार्नुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी।

भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात,सुनामी,भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है ।ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी।2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था।

मिश्रित शिक्षाः शैक्षिक परिवर्तन ड्राइविंग

विजय गर्ग

हम शिक्षा के एक युग में रह रहे हैं जो छात्रों और कामकाजी पेशेवरों के लिए सक्षम परिस्थितियों का निर्माण कर रहा है, और जिसमें मिश्रित शिक्षण एक प्रमुख गेम-चेंजर होगा। भारत के भीतर, भारत की राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 का कार्यान्वयन भारत में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को नया रूप देने जा रहा है।एनईपी 2020 की दृष्टि एसडीजी 4 के साथ गठबंधन की गई भारतीय शिक्षा प्रणाली को फिर से कल्पना करना है, जो समान अवसर, समावेश और इक्विटी पर केंद्रित है। मिश्रित शिक्षण-शिक्षण वातावरण, क्रिएटिव कॉमन्स और बड़े पैमाने पर ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम के तहत ओपन एजुकेशनल रिसोर्स क्षेत्रों और सामाजिक-आर्थिक स्तर पर एक मजबूत भारतीय शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए आवश्यक आवश्यकताएं हैं। मेरे डॉक्टरेट थीसिस की रक्षा के दौरान धारणा को जानने के लिए छात्रों, संकाय सदस्यों और पुस्तकालय पेशेवरों सहित शैक्षणिक समुदायों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया गया है। सर्वेक्षण में अपरंपरागत सीखने के अवसरों और संसाधनों के बारे में छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच जागरूकता का एक निम्न स्तर सामने आया जो ऑनलाइन पाठ्यक्रमों जैसे आईटी बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हैं जो नवीनतम तकनीकी कौशल वृद्धि पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में छात्रों तक पहुंच प्रदान करते हैं। उत्साहजनक और कुछ हद तक, संकाय सदस्यों ने सर्वेक्षण किया, छात्रों या यहां तक कि पुस्तकालय पेशेवरों के सापेक्ष इन मामलों के बारे में उच्च जागरूकता प्रदर्शित की। इसने इस बात पर जोर दिया कि जब संकाय सदस्य ओईआर शैक्षिक संसाधनों को पारंपरिक कक्षा सेटिंग्स में शामिल करते हैं, तो ओईआर संसाधनों की गुणवत्ता में सुधार होता है, इसलिए ऑनलाइन शिक्षा की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाता है। विभिन्न हितधारकों को पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) के साथ ओईआर को एकीकृत करने और भारत में एचईआई में एक मजबूत ओईआर नीति ढांचा होने का दृष्टिकोण पाया गया। एलएमएस के साथ ओईआरएस को एकीकृत करने की दिशा में हितधारकों के अनुकूल विचारों को शैक्षणिक समुदाय को ओपन-एक्सेस लाइसेंस और मिश्रित शिक्षण वातावरण की संस्कृति की बेहतर समझ हासिल करने में सक्षम बनाना चाहिए। इसलिए यह विशेष रूप से पेरी-शहरी आबादी और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले वंचित समुदायों के बीच मिश्रित शिक्षण शिक्षा को गति देने का अवसर है। 'ऑल इंडियन सर्वे ऑन हायर एजुकेशन 2021-22' के अनुसार, बिहार और असम में दूरस्थ नामांकन मोड उच्च जनसंख्या वृद्धि के बावजूद सबसे कम में से एक है और लोग उच्च शिक्षा के लिए उत्सुक हैं और राज्य के भीतर प्रत्यक्ष विश्वविद्यालय नामांकन तक बहुत कम पहुंच है। यह जलवायु साक्षरता और जलवायु शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। उच्च शैक्षिक संस्थानों द्वारा उईएआर का वास्तविक गोद लेना विभिन्न कारकों जैसे - समय और लागत, भाषा, उपयोगकर्ता-मित्रता, बुनियादी ढांचा, गुणवत्ता और पुस्तकालय समर्थन पर निर्भर करता है। शैक्षणिक प्रथाओं का विकास ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (ओईआरएस) के बारे में जागरूकता से जुड़ा हुआ है, जो इन-पर्सन कक्षाओं के दौरान पारंपरिक शिक्षण विधियों में ओईआर सामग्री के एकीकरण की सुविधा प्रदान करता है। इसके अलावा, सरकारी सहायता उच्च शिक्षा संस्थानों में ओईआरएस के उपयोग और उन्नति को बढ़ाएगी और उच्च गुणवत्ता वाले खुले शैक्षिक संसाधनों के माध्यम से सूचना-समृद्ध और सूचना-गरीब संस्थाओं के बीच असमानताओं को कम करने की सुविधा प्रदान करेगी, जो सतत विकास लक्ष्य के उद्देश्य में से एक के साथ संरेखित होगीएनईपी 2020 का उद्देश्य छात्रों / शिक्षार्थियों को एक साथ दो डिग्री हासिल करने की अनुमति देकर विविध कौशल विकसित करने के लिए सशक्त बनाना है।

8 साल के बच्चे की डूबकर मौत

ईंट-भट्टे के पास गड्ढे में कागज की नाव छोड़ते वक्त हादसा, 3 दोस्तों को बचाया

भारत संवाद

प्रयागराज, कसैयावर बमैला गांव में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ। 8 वर्षीय बच्चे की गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान शिवांशु कनौजिया के रूप में हुई है। करीब शिवांशु अपने तीन दोस्तों के साथ खेलने गया था। साथ में 10 वर्षीय आदित्य, 8 वर्षीय प्रियांशु और 8 वर्षीय नन्ही भारतीय थे। बच्चे घर से 400 मीटर दूर एक ईंट भट्टे के पास गए। वहां वे कागज की नाव बनाकर 8 फीट गहरे गड्ढे में छोड़ रहे थे। अचानक शिवांशु का पैर फिसल गया और वह गड्ढे में गिर गया। उसे बचाने के लिए तीनों दोस्त भी कूद पड़े। एक बच्चा बाहर निकलकर मदद के लिए दौड़ा। पास में खड़े एक व्यक्ति ने आकर तीन बच्चों को बचा लिया। लेकिन शिवांशु को बचाने में देर हो

गई। शिवांशु प्राथमिक विद्यालय में पांचवीं कक्षा का छात्र था। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसका बड़ा भाई शिवा 12 वर्ष का और छोटा भाई दिव्यांशु 6 वर्ष का है। उसके पिता बराती लाल कनौजिया गुजरात में एक लॉन्ड्री की दुकान पर काम करते हैं। मां संगीता देवी और परिवार के अन्य सदस्य शोक में डूबे हैं।

स्कूल पहुंचे बच्चे तो सीडीओ ने तिलक लगा किया वेलकम

प्रयागराज के परिषदीय विद्यालयों में पहले दिन बच्चों का अभिनंदन

भारत संवाद

प्रयागराज, परिषदीय स्कूलों में आज नए शैक्षणिक सत्र के पहले दिन जब बच्चे पहुंचे तो स्कूलों में उनके टीचर उनका स्वागत किए। इसी क्रम में सीडीओ हर्षिका सिंह ने कंपोजिट विद्यालय आदर्श एलनगंज, नगर क्षेत्र में नव प्रवेशित छात्रों को माला पहनाकर रोली, टीका लगाकर उनका वेलकम किया। स्कूल आने पर उनका उत्साहवर्धन किया। सीडीओ ने निःशुल्क पुस्तकें एवं स्टेशनरी वितरण करते हुए शिक्षको एवं अभिभावको को अधिक से अधिक संख्या में नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया। सीडीओ ने विद्यालय से हरी झंडी दिखाकर आज

एक जुलाई से स्कूल चलो अभियान की रैली को रवाना किया गया। उन्होंने विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं मातृत्व के महत्व को दशार्ते हुए एक पेड़ मां के नाम लगाकर स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम के द्वितीय चरण का सफल शुभारंभ किया गया। सीडीओ हर्षिका सिंह ने कहा, विद्यालय पुनः खुलने पर विद्यालय परिसर की समुचित साफ-सफाई कराते हुए विद्यालय को सुन्दर एवं आकर्षक बनाया जाए। विद्यालय परिवार द्वारा छात्र-छात्राओं का स्वागत किया जाय तथा इसे एक उत्सव का स्वरूप प्रदान किया जाय। इस प्रकार के कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं का विद्यालय के प्रति तथा विद्यालय के अध्यापकों के प्रति जुडाव पैदा होगा, जिसके फलस्वरूप विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति तथा पठन-पाठन गतिविधियों में सक्रियता एवं रूचि उत्पन्न होगी। विद्यालय को फूल, पत्तों, रंगोली, झंडियों, गुब्बारों आदि से सजाया जाएगा और विद्यालय आने वाले बच्चों को रोली-टीका लगाकर स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित किया जाए कि 6 से 14 आयु वर्ग का कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न रहे। बीएसए देवव्रत सिंह प्रतिभा सिंह ने भी छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

फास्ट ट्रैक

अवैध चाकू लहराने के वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा सम्बन्धित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना विन्ध्याचल क्षेत्रांतर्गत अमरावती चौराहे के पास एक व्यक्ति द्वारा अवैध चाकू लहराने का वीडियो सोशल मीडिया प्लेट्फार्म पर वायरल हुआ था । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त प्रकरण को गंभीरता पूर्वक लेते हुए थानाध्यक्ष विन्ध्याचल को सम्बन्धित अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी के निर्देशि दिये गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 01.07.2025 को उप निरीक्षक विजय शंकर तिवारी मय पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मुखबीर के सुचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्रातंर्गत ग्राम नचनियाबारी से उक्त प्रकरण से सम्बन्धित अभियुक्त गोरे उर्फ संदीप बिन्द पुत्र स्व0 आनन्द कुमार बिन्द निवासी नचनियाबारी थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से 01 अदद अवैध चाकू बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-219/2025 धारा 4/25 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा उ.प्र.गैंगस्टर एक्ट के अभियोग से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्तगण गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना विन्ध्याचल पर पंजीकृत मु0अ0सं0-218/2025 धारा 3(1) उ.प्र. गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण एक्ट के अभियोग में बड़ी कार्यवाही करते हुए दिनांकः 01.07.2025 को थानाध्यक्ष बैजनाथ सिंह मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्र से उक्त अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त प्रदुम्न उर्फ जयशंकर पुत्र बंशीधर उर्फ जादू निवासी छोटकी महुवरिया थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा नाबालिक को बहला-फुसला के भगाने के अभियोग से सम्बन्धित बाल अपचारी हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेजा गया

भारत संवाद

थाना अदलहाट, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 21.06.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री को बहला-फुसला के भगाने व धमकी देने के सम्बन्ध लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0-198/2025 धारा 137(2),87,352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना अदलहाट को निर्देश दिए गए ।

थाना जिगना पुलिस द्वारा 03 नफर वारण्टी गिरफ्तार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जिगना पुलिस द्वारा 03 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः 01.07.2025 को उप निरीक्षक चन्द्रशेखर प्रसाद मय पुलिस टीम द्वारा 03 नफर वारण्टी 1.जोगूरी पुत्र धतूरा, 2. कैलाश पुत्र चिन्तामणी निवासीगण ग्राम गौरा थाना जिगना जनपद मीरजापुर व 3. शुक्लू प्रजापति पुत्र मेघनलाल निवासी छतरी का पुरा थाना जिगना जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

रेलवन (RailOne) ऐप का शुभारंभ रेलवे मंत्री द्वारा उफकर के 40वें स्थापना दिवस समारोह में किया गया

यह ऐप Android PlayStore औरiOS App Store, दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध

भारत संवाद

जबलपुर । रेलवन ऐप यात्रियों की सभी आवश्यक सेवाओं के लिए एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन है। इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को निम्नलिखित सेवाओं तक सरलता से पहुंच मिलती है:टिकटिंग आरक्षित, अनारक्षित, प्लेटफार्म टिकट; ट्रेन और PNR पूछताछ,यात्रा योजना, रेल मदद सेवाएं, ट्रेन में भोजन बुकिंग। साथ ही, इसमें माल परिवहन (फ्रेट) से संबंधित पूछताछ की सुविधा भी उपलब्ध है।

इस ऐप का मूल उद्देश्य

उपयोगकताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करना है, जिसे सरल और स्पष्ट यूआई (यूजर इंटरफेस) के माध्यम से साकार किया गया है। यह न केवल सभी सेवाओं को एक स्थान पर समाहित करता है, बल्कि सेवाओं के बीच एकीकृत संपर्क भी प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता को भारतीय रेल सेवाओं का समग्र पैकेज मिलता है। इस ऐप की एक विशेष सुविधा है सिंगल साइन-ऑन। इससे

उपयोगकताओं को कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। RailOne ऐप डाउनलोड करने के बाद, RailConnect या UTSonMobile ऐप की मौजूदा यूजर आईडी से लॉगिन किया जा सकता है। इसके कारण उपयोगकताओं को अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग-अलग ऐप रखने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे डिवाइस की स्टोरेज भी बचती है। इस ऐप में आर-वॉलेट (Railway e-wallet)की सुविधा भी जोड़ी गई है। संख्यात्मक PIN और बायोमेट्रिक लॉगिन जैसी आसान लॉगिन सुविधाएं भी दी गई हैं।नए उपयोगकताओं के लिए कम से कम जानकारी देकर पंजीकरण की व्यवस्था है, जिससे रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आसान और तेज बनती है। केवल पूछताछ करने वाले उपयोगकर्ता गेस्ट लॉगिन के जरिए मोबाइल नंबर और OTP से भी लॉगिन कर सकते हैं।

उद्यान मंत्री ने मलिहाबाद में दशहरी गांव का किया दौरा

मलिहाबाद का आम देश-दुनिया में बढ़ा रहा है सम्मानः दिनेश प्रताप सिंह

- मुख्यमंत्री 4 जुलाई को करेंगे आम महोत्सव-2025 का शुभारंभ
- तीन दिवसीय आम महोत्सव में 600 से अधिक किस्मों के आम होंगे प्रदर्शित
- आम के संरक्षण, प्रोसेसिंग व निर्यात पर होगी विशेषज्ञ गोष्ठी

भारत संवाद

लखनऊः प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विश्वप्रसिद्ध दशहरी आम की उत्पत्ति स्थल दशहरी गांव पहुंचकर वहां के ऐतिहासिक आम के वृक्ष के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मलिहाबाद का आम, विशेषकर दशहरी किस्म, हमारे देश की एक विशिष्ट पहचान बन चुका है। यह आम दशहरी गांव से निकलकर आज अमेरिका, लंदन, दुबई जैसे देशों में हमारी भारतीय कृषि परंपरा का प्रतिनिधित्व कर रहा है। इसने न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश का सम्मान बढ़ाया है। उद्यान मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आम के संरक्षण, संवर्धन एवं विपणन को बढ़ावा देने के लिए 04 जुलाई से तीन दिवसीय वृहद आम महोत्सव-2025 का आयोजन अवध शिल्पग्राम, लखनऊ में किया जा रहा है, जिसमें 600 से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित किए जाएंगे। इस महोत्सव का उद्देश्य आम उत्पादकों, निर्यातकों, विक्रेताओं, बागबानों, वैज्ञानिकों तथा आम प्रेमियों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां तकनीकी सत्रों, गोष्ठियों एवं प्रदर्शनियों के माध्यम से आम के उत्पादन, प्रोसेसिंग, सेल्फ

लाइफ बढ़ाने, ब्रांडिंग व निर्यात की नवीनतम जानकारियां साझा की जाएंगी।उद्यान मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आय दुगुनी करने के संकल्प को साकार करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है और यह आम महोत्सव उसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 04 जुलाई को आम महोत्सव का शुभारंभ करेंगे और इस अवसर पर अमेरिका, लंदन व दुबई जैसे देशों के लिए आम निर्यात को हरी झंडी दिखाएंगे।इससे आम उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने में सहायता मिलेगी। आम महोत्सव के दौरान लोकप्रिय लोकगायक श्री पवन सिंह तथा प्रसिद्ध कवि श्री कुमार विश्वास अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे, जिससे आम जनमानस की सहभागिता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने सभी आम उत्पादकों, बागबानों, विक्रेताओं व निर्यातकों से अपील की कि वे इस महोत्सव में अवश्य भाग लें और आम के बेहतर प्रबंधन, विपणन और वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि करें।उन्होंने औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र, मलिहाबाद, लखनऊ का निरीक्षण भी किया।

इफको फूलपुर इकाई में ऑनसाइट इमरजेंसी प्लान का पूर्वाभ्यास (मॉक ड्रिल) किया गया

भारत संवाद

इफको फूलपुर इकाई में ऑनसाइट इमरजेंसी प्लान का पूर्वाभ्यास (मॉक ड्रिल) किया गया। इस दौरान यूरिया-2 के पम्प 31पी-5 ए/बी की कॉमन लाइन के 31 एचवी 180 की अप स्ट्रीम फ्लैंज से अमोनिया के अत्यधिक रिसाव की स्थिति पैदा की गई। पहले रिसाव आरंभ हुआ उसके बाद अग्निशमन दल ने अमोनिया गैस को नियंत्रित करने का प्रयास किया एवमं बचाव दल से घायलों को अस्पताल पहुँचाया। इसके पश्चात स्थानीय प्रशासन व इफको प्रबंधन एवं समस्त विभागाध्यक्षों के साथ ऑनसाइट इमरजेंसी प्लान की समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा बैठक में वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने कहा कि पूर्वाभ्यास हमें किसी भी स्थिति व दुर्घटना से निपटने में सहायता करती है।इस दौरान अग्निशमन विभाग (इफको), गेल(इफको), स्थानीय प्रशासन,

अग्निशमन विभाग उत्तर प्रदेश, सुरक्षा विभाग की टीमों ने पूर्वाभ्यास में सहयोग किया। सेल्फ डिफेंस डिप्टी कन्ट्रोलर नीरज मिश्र, असिस्टेंट डिप्टी कन्ट्रोलर राकेश तिवारी, बीपीसीएल से पवन भारती, कार्यकारी निदेशक (तकनीकी) संजय वैश्य,वरिष्ठ महाप्रबंधक ए.पी.राजेन्द्रन, महाप्रबंधक क्रमशः संजय भंडारी, पी.के.सिंह, डॉ अनिता मिश्रा, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः पी.के.पटेल,रत्नेश कुमार,एस.के.सिंह,अरूण कुमार, अरवेन्द्र कुमार, ए.के.गुप्ता,पी.के.वर्मा, आर.पी.यादव, सत्य प्रकाश, पी.के. त्रिपाठी, संदीप गोयल, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, मुख्य प्रबंधक अग्नि एवं सुरक्षा संजीव कुमार, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम्प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव एवं सम्बंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

स्कूल चलो अभियान के साथ नन्हे मुन्नों का हुआ स्वागत

भारत संवाद

प्रयागराज। विकास खण्ड कौड़िहार में भी स्कूल चलो अभियान देखते ही बन रहा था। इस अभियान के अंतर्गत बच्चों का स्कूल के पहले दिन स्वागत करने के लिए अधिकारियों को भी नोडल नामित किया गया था जिसके क्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी को कौड़िहार क्षमा शंकर पांडेय विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय हथिगहां एवं प्राथमिक विद्यालय नवाबगंज में बच्चों के स्वागत व चंदन टीका हेतु पहुंचे। विद्यालयों में इस वर्ष कक्षा तीन की पुस्तकों के पाठ्यक्रम में परिवर्तन होने के कारण उन्हें छोड़कर मार्च के अंतिम सप्ताह से लेकर अप्रैल तक में सारी पुस्तक आ चुकी हैं। डीबीटी की धनराशि बच्चों के खातों में पहुंच गई है एवं प्रधानाध्यापकों द्वारा बच्चों के अभिभावकों से नई ड्रेस सिलवाने की अपील भी की गई। इसी कड़ी में आज प्राथमिक विद्यालय मलाक हर हर प्रथम में स्कूल चलो अभियान के आगाज के साथ वरिष्ठ डॉक्टर आनंद मिश्रा द्वारा कंप्यूटर प्रदान किया गया इस दौरान पूर्व आरपी जय सिंह, गरिमा मेहरोत्रा, अपर्णा त्रिपाठी, नीलू सिंह आदि उपस्थित रहीं।

एनएचएम कर्मचारियों ने स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय पर दिया धरना

महिला कर्मियों ने सुनाई पीड़ा

भारत संवाद

मेरठ। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नेशनल हेल्थ मिशन (NHM) के कर्मचारियों ने लंबित स्थानांतरण प्रक्रिया की तत्काल बहाली की मांग को लेकर स्वास्थ्य मंत्री शबृजेश पाठक के कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना प्रदर्शन करते हुए स्थानांतरण प्रक्रिया की तत्काल बहाली, पारदर्शी और समयबद्ध स्थानांतरण नीति तथा महिला कर्मचारियों के लिए विशेष स्थानांतरण की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि पिछले छह माह से स्थानांतरण प्रक्रिया ठप पड़ी है, जिससे हजारों कर्मचारियों को मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर महिला कर्मचारियों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। कई महिला सीएचओ अपने परिवार से सैकड़ों किलोमीटर दूर कार्यरत हैं, जो महीनों अपने घर नहीं जा पातीं। अनेक को छोटे बच्चों के साथ अकेले रहना पड़ रहा

है, जिससे कई महिलाएं नौकरी छोड़ने तक को मजबूर हैं। एनएचएम कर्मचारियों ने अपनी मांगों पर तत्काल कार्रवाई की अपेक्षा की है, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत कर्मियों को सम्मानजनक और न्यायसंगत कार्य वातावरण मिल सके।धरने में सीएचओ यूनियन उत्तर प्रदेश के पदाधिकारी भी शामिल हुए और उन्होंने कर्मचारियों की मांगों का समर्थन किया। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बलिया, रामपुर, संभल, अमरोहा आदिक जनपदों से आए कई सीएचओ ने भविष्य की रणनीति पर चर्चा की और पिछले आंदोलनों में यूनियन की भूमिका की सराहना करते हुए इसमें सक्रिय भागीदारी की इच्छा जताई। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि स्थानांतरण प्रक्रिया को शीघ्र बहाल नहीं किया गया, तो राज्यव्यापी आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। धरने-प्रदर्शन मे बड़ी संख्या मे महिला कर्मचारी भी शामिल रही।

व्यायाम, नृत्य, गायन और खेल के दौरान होने वाली मौतें: एक विचारणीय पहलू

श्याम सिंह 'पंवार'
वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर (यूपी)

हाल के वर्षों में, ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं जहाँ लोग व्यायाम, नृत्य, गायन, अभिनय करते समय या खेल के दौरान अचानक 'मृत्यु का शिकार' हो रहे हैं।

ये घटनाएँ न केवल दुखद हैं, बल्कि समाज और देश के स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए एक गंभीर चिंता का विषय भी बन रही हैं।

क्या यह एक संयोग मात्र है, या इसके पीछे कुछ गहरे स्वास्थ्य-संबंधी कारण हैं?

क्या केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए और 'कुछ' बोलना चाहिए?

आजकल, सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में ऐसी खबरें आम हो गई हैं कि कोई व्यक्ति जिम में वर्कआउट करते समय, नृत्य प्रदर्शन के दौरान, गायन, अभिनय के दौरान या खेल के मैदान में अचानक बेहोश होकर गिर गया और उसकी मृत्यु हो गई। कोविड-19 से उबरने के पश्चात से ही देशभर से अनेक मामले प्रकाश में आ चुके हैं जो सिर्फ घटनाएँ नहीं हैं; बल्कि ये उन लोगों की कहानियाँ हैं जो स्वस्थ जीवन जीने की कोशिश में थे।

निश्चित रूप से, यह एक गम्भीर और विचारणीय पहलू है। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए लोगों को व्यायाम और खेल को प्रोत्साहित किया जाता है, लेकिन इन गतिविधियों के दौरान होने वाली अचानक मौतें चिंता का विषय हैं। यह न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि समाज में भय और अनिश्चितता भी पैदा करता है। लोग अब यह सवाल उठाने लगे हैं कि क्या व्यायाम या नृत्य जैसी गतिविधियाँ भी सुरक्षित नहीं हैं ? इस स्थिति में, यह आवश्यक हो जाता है कि इस समस्या को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझा जाए और इसके समाधान के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा नीतिगत कदम उठाए जाएँ।

मेरा निजी विचार है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को इस मुद्दे पर सक्रियता दिखाते हुए सार्थक कदम उठाने चाहिए। मंत्रालय को ऐसी सभी घटनाओं का डेटा एकत्र करना चाहिए और उनके कारणों का वैज्ञानिक अध्ययन करना चाहिए। व्यायाम, नृत्य, और खेल के दौरान होने वाली अचानक मौतें एक गम्भीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हैं। यह न केवल व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि समाज के लिए एक चुनौतीपूर्ण चेतावनी भी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को इस दिशा में तत्काल कदम उठाने चाहिए, ताकि लोग स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में डर न महसूस करें।आखिरकार, निर्भय जीवन जीना हर व्यक्ति की इच्छा है और केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि लोगों को अदृश्य भय से बचाए और इस विषय पर कुछ' स्पष्ट करे।

शुभकामनायें

चिकित्सकों कि बिना एक स्वस्थ, समर्थ और सशक्त समाज की कल्पना अधूरी

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर परमार्थ निकेतन की ओर से सभी चिकित्सकों को अनेकानेक शुभकामनायें

चिकित्सकों को समर्पित श्रद्धा, सम्मान और आभार

भारत संवाद

ऋषिकेश। चिकित्सक केवल पेशेवर ही नहीं होते, वे करुणा, सेवा और समर्पण की प्रतिमूर्ति होते हैं। वे जीवन के रक्षक और मानवता के प्रहरी हैं। उनके बिना एक स्वस्थ, समर्थ और सशक्त समाज की कल्पना अधूरी है। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश से स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने सभी चिकित्सकों को अनेकानेक शुभकामनायें दी। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि डॉक्टर्स केवल दवाइयों से ही नहीं, अपने शब्दों, स्पर्श और संवेदना से भी उपचार करते हैं। वे न केवल जीवन बचाते हैं, बल्कि टूटती हुई आशाओं को फिर से संजीवनी देते हैं। वे वास्तव में धरती पर भगवान का रूप हैं।

स्वामी जी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के समय जिस प्रकार हमारे डॉक्टर्स ने अपनी जान की परवाह किए बिना सेवाभाव से कार्य किया, वह आधुनिक युग की तपस्या का उत्कृष्ट उदाहरण है।

जब पूरी दुनिया लॉकडाउन में थी, तब डॉक्टर्स लाइफलाइन बनकर सक्रिय थे। वे केवल चिकित्सा कर्मी नहीं, अपितु सेवा, साहस और संवेदना के जीवंत उदाहरण हैं।

डॉक्टर्स की सेवा भावना और त्याग को प्रणाम करते हुए उन्होंने कहा कि डॉक्टर केवल एक ह्यप्रोफेशनह्ल का

हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे आधुनिक युग के वे ऋषि हैं, जो विज्ञान और सेवा के संगम से मानवता की रक्षा कर रहे हैं। वे अपनी दक्षता और कर्मठता से सेवा कर स्वास्थ्य की रक्षा के साथ मानवता की भी रक्षा करते हैं।

स्वामी जी ने यह भी कहा कि चिकित्सा केवल शरीर का उपचार नहीं है, बल्कि आत्मा को भी छूने की क्रिया है। जब आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भारतीय ज्ञान, योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा से जुड़ती है, तब सम्पूर्ण स्वास्थ्य का निर्माण होता है।

इस अवसर पर स्वामी जी ने कहा कि हमारे डॉक्टर जीवन की रक्षा करते हैं, वैसे ही वृक्ष पृथ्वी की रक्षा करते हैं। वृक्ष और डॉक्टर दोनों जीवनदाता हैं। डॉक्टर शरीर को स्वस्थ रखते हैं, तो वृक्ष वातावरण को शुद्ध और संतुलित बनाते हैं। दोनों ही अपने-अपने स्तर पर जीवन को बचाने और संवारने का कार्य करते हैं। वास्तव में, डॉक्टर्स और वृक्ष दोनों ही सजीव प्रकृति के दो रूप हैं जो निःस्वार्थ सेवा का प्रतीक हैं।स्वामी जी ने आगे कहा कि वृक्ष, पृथ्वी के डॉक्टर हैं। जिस प्रकार डॉक्टर हमें रोगों से बचाते हैं, वैसे ही वृक्ष वायु प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन से रक्षा करते हैं। आज की परमार्थ गंगा आरती देश के सभी चिकित्सकों के समर्पित करते हुये उनके दीर्घायु, स्वस्थ जीवन और सेवा कार्य में सफलता हेतु समर्पित की। डॉक्टर्स केवल इलाज नहीं करते, वे जीवन में रोशनी लाते हैं। वे उम्मीद की लौ हैं, सेवा की मिसाल हैं, और मानवता के प्रहरी हैं।

कथा करने कराने से नहीं होता उद्धार, सत कर्म करते रहने से होगा वेडा पार - व्यास देव जी महाराज बृजवासी

बहादुर सिंह संवादाता गोड़ा /भारत संवाद

अलीगढ। गौंडा क्षेत्र के गाँव रजावल में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का आज आखिरी दिन व्यास देव जी महाराज व्रिज वासी ने कहा कि कथा भागवत करने व कराने से मानव का उद्धार नहीं होता, रामायण व गीता पढने से मोक्ष प्राप्त नहीं होता जब तक मानव अपने आचरण, विचार, गीता - रामायण के बताये नियमों का पालन नहीं करेगा व उनके अनुसार नहीं चलेगा तब तक पूजा पाठ, कथा करना कराना व्यर्थ का है। व्यास जी ने बताया मोह, माया, लोभ,क्रोध व मध छोड कर जो ईश्वर की भक्ति करेगा किसी का बुरा न करना, अपनी आत्माओं को परमात्मा में लगा कर भक्ति करेगा मानव का तभी उद्धार होगा। इसी के साथ श्री कृष्ण भगवान के वालसखा सुदामा की मित्रता का वितार से वर्णन करते हुए मानव के जीवन उद्धार के लिए विस्तार से वर्णन किया। आज की कथा में परीक्षत की भूमिका में अमित

चौधरी, सूरज चौधरी, सभी चौधरी परिवार रहा परिवार की ओर से कथा वाचक व्यास देव जी महाराज का इक्कीस हजार रुपए भेंट कर फूलमाला पहनाकर स्वागत सम्मान किया कथा के विष्यराम उपरांत सभी भक्त जनों को कथा का प्रसाद वितरण किया गया।

जीआईएस सर्वे को लेकर व्यापारियों की अहम बैठक

जीआईएस सर्वे से हो रहा जनता का उत्पीड़न: विवेक मनोचा

भारत संवाद

सहारनपुर।गत दिवस देर सांय 30 जून 2025 को रेलवे रोड से सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के कार्यालय व्यापार भवन में वरिष्ठ व्यापारी नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में चर्चा का विषय जीआईएस सर्वे द्वारा जनता का हो रहा उत्पीड़न रहा । बैठक में महानगर अध्यक्ष विवेक मनोचा एवं वरिष्ठ महामन्त्री सरदार सुरेंद्र मोहन सिंह चावला ने कहा सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम द्वारा जीआईएस सर्वे के रूप में सैकड़ो गुना टैक्स बढ़ाने के विरुद्ध बड़ा प्रदर्शन किया था। जिसके बाद बैक फुट पर आते हुए नगर विधायक राजीव गुंबर एवं महापौर डॉक्टर अजय सिंह ने कहा था कि व्यापारियों को उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा और सीआईएस सर्वे को निरस्त करवाया जाएगा लेकिन इन्होंने बयान जारी करने के बावजूद भी उसको नहीं रोका।जिससे व्यापारियों में इस बात का भारी रोष है।

जबकि आज 30 जून को गाजियाबाद नगर निगम बोर्ड ने वहां की महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में जिस जीआईएस सर्वे को दो माह के लिए स्थगित कर दिया और वहां के अधिकारियों को नई नीति बनाने के लिए आदेशित किया।

महानगर महामंत्री पुनीत चैहान एवं कोषाध्यक्ष सुधीर मिगलानी ने कहा यदि गाजियाबाद नगर निगम जनता के हित में यह निर्णय ले सकता है तो क्या सहारनपुर में कोई नई तरह के कानून लागू होते हैं ? इसलिए यदि यहां के नेताओं ने तुरंत कोई जनहित में निर्णय नहीं लिया तो अगले बड़े आंदोलन की तैयारी हो चुकी है बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष यशपाल मैनी, प्रांतीय संगठन मंत्री अशोक छाबड़ा, प्रांतीय संगठन मंत्री आरके मल्होत्रा, प्रांतीय मंत्री महेश नारंग, प्रांतीय मंत्री अमित,व्यापार मंडल के युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनुभव शर्मा महामंत्री कुबेर नरूला, कोषाध्यक्ष विनीत चैहान सहित कोर कमेटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नवान्गतुक एसएसपी ने चार्ज लेते ही सुनी समस्याएं

भारत संवाद

सहारनपुर।वरिष्ठपुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी ने कार्यवाह ग्रहण करते ही आज अपने कार्यालय में जनसुनवाई की और समस्याओं के समाधान के संबंधित थाना अध्यक्षों को आवश्यक दिशा निर्देश दिएआज रिजर्व पुलिस लाइन स्थित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी द्वारा आमजन की विभिन्न शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना गया। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने आपराधिक मामलों, भूमि विवाद, साइबर अपराध, पुलिस कार्यप्रणाली से जुड़ी समस्याओं समेत विभिन्न विषयों पर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं।एसएसपी ने प्रत्येक फरियादी की बात को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी कार्यवाही हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए।एसएसपी आशीष तिवारी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध और न्यायसंगत समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

फास्ट ट्रैक

महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना समय की मां

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़।मंगलायतन विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई-4 के तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में समाज में महिलाओं की भूमिका, चुनौतियों और उनके अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई।कैसे महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर समाज में सशक्त भूमिका निभा सकें। वेबिनार में विद्यार्थियों, शिक्षकों व स्वयंसेवकों की सहभागिता रही।वेबिनार की मुख्य वक्ता डा. शीतल सिंह ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में काफी प्रयास हो रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत चिंता का विषय है।जब तक महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं होंगी, तब तक उनका सशक्तिकरण अधूरा रहेगा। समाज में महिलाओं को केवल घरेलू भूमिकाओं तक सीमित कर देना, उनके विकास में बड़ी बाधा है। उन्होंने बेटियों को शिक्षा और स्वरोजगार के अवसर देने की आवश्यकता पर बल दिया। संयोजक और एनएसएस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डा. नियति शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं को उनके अधिकारों और स्वतंत्रता के प्रति जागरूक करना था। एनएसएस समन्वयक डा. पूनम रानी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से संदेश देना जरूरी है कि महिला सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक सामाजिक आवश्यकता है।कार्यक्रम में डा. शालू अग्रवाल, मनीषा उपाध्याय सहित छात्राओं अफीफा, कीर्ति, अन्नू, उर्वशी, खुशी आदि ने भी महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान जन जागरुकता रैली का हरी झंडी दिखाकर किया गया शुभारंभ

सुलतानपुर, जनपद में आज से प्रारंभ हो रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान (01 से 31 जुलाई 2025) का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना कर किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य संचारी रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया, और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों को नियंत्रित करना और रोकथाम करना है। उक्त अभियान के तहत, स्वास्थ्य विभाग घर-घर जाकर लोगों को इन बीमारियों से बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक करेगा और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। अभियान के दौरान, लोगों को अपने घरों और आस-पास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने, मच्छरों को पनपने से रोकने, और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। यह अभियान 01 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा।

डीएम ने किसानों को गुणवत्तायुक्त कीटनाशक उपलब्ध कराने के लिए टास्क फोर्स का किया गठन

प्रत्येक सप्ताह कृत कार्यवाही से शासन को अवगत कराने के दिए निर्देश

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा जिले में नकली कीटनाशक विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने, किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक उपलब्ध कराने एवं नियमित निगरानी और कार्रवाई के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि कृषकों को गुणवत्तायुक्त कीटनाशी रसायन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने, नकली, अमानक, अपंजीकृत व कीटनाशी अधिनियम 1968 के प्राविधानों का परिपालन कराने के लिए उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी एवं जिला कृषि रक्षा अधिकारी की तीन सदस्यीय जिला स्तरीय स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जो कि जिले की सभी तहसीलों में सघन निरीक्षण करेंगे।

जल भराव क्षेत्र का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण,जल निकासी के लिए अतिरिक्त पंप सेटों को लगाने के दिए निर्देश

चरकवालान पम्पिंग स्टेशन की बढ़ेगी क्षमता

डोली शर्मा संवादाता महानगर/ भारत संवाद

अलीगढ़। बीती रात से लगातार हो रही बारिश की वजह से शहर के रामघाट रोड, छर्रा अड्डा,गूलर रोड,शाह जमाल,मैरिस रोड,ईदगाह रोड,खैर रोड पर हुए जल भराव का नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने निरीक्षण किया।नगर आयुक्त ने गूलर रोड पंपिंग स्टेशन और गूलर रोड पोखर का भी निरीक्षण किया और इस निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने गूलर रोड पोखर के इनलेट चेम्बर की क्षमता को बढ़ाने व इसके डिजाइन को चेंज करने के निर्देश दिए।इतना ही नहीं गूलर रोड पंपिंग स्टेशन पर जो पंप सेट लगे हैं उनके स्थान पर मड पंप लगवाए जाने व उनकी क्षमता में वृद्धि करने के निर्देश दिए।नगर आयुक्त ने गूलर रोड पम्पिंग स्टेशन पर लगे डिलीवरी हैडर जिसकी क्षमता काफी छोटी थी उसको बदलने के निर्देश दिए।वहीं शाहजमाल ईदगाह में जल निकासी को प्रभावी बनाने के दृष्टिगत चरखवालान पंपिंग स्टेशन को अधिकतम क्षमता का बनाने का प्रस्ताव

तत्काल तैयार कराए जाने के निर्देश महाप्रबंधक जल को दिए गए।खैर रोड पर नाले में फ्लोटिंग मटेरियल पाए जाने पर नगर आयुक्त ने सफाई निरीक्षक अनिल सिंह का स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए।इसके अलावा उन्होंने खैर रोड पर जल निकासी को प्रभावी बनाने के दृष्टिगत जल निकासी में बाधक अतिक्रमण को नगर निगम राजस्व टीम से चिह्नित कराते हुए उन्हें प्राथमिकता पर हटवाये जाने की कार्रवाई करने के निर्देश सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह को दिए।खैर रोड पर जल भराव को देखने पहुंचे नगर आयुक्त ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उन्हें पूरा भरोसा दिलाया जल निकासी की समुचित व्यवस्था नगर निगम अपने सीमित संसाधनों के बल पर कर रहा है। उन्होंने मौके पर खैर रोड की जल निकासी के लिए महाप्रबंधक जल डॉ.प्रमोद कुमार सिंह को अतिरिक्त पंपसेट खैर रोड पर लगाकर नादा पुल नाले में डिसचार्ज पाइप डालने के लिए कहा।नगर आयुक्त ने रामघाट रोड पर जल निकासी को प्रभावी बनाने की दृष्टिगत महाप्रबंधक जल को तत्काल शहर के जल भराव वाले चिन्हित स्थान शाह जमाल,गूलर रोड,रामघाट रोड, मैरिस रोड,सुदामा पुरी रोड,छर्रा अड्डा, गुरुद्वारा रोड,ईदगाह रोड पर सभी मोबाइल पंप सेट लगाने के निर्देश दिए।निरीक्षण में नगर आयुक्त के साथ अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव,मुख्य अभियंता सुरेश चंद्र,महाप्रबंधक जल डॉ. प्रमोद कुमार सिंह,सहायक अभियंता पुष्पेंद्र सिंह,अवर अभियंता नरेंद्र सिंह आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रह।

वार्ड 59 में सड़क निर्माण के विवाद को नगर आयुक्त ने पहुँचकर सुलझाया-पार्षद संग नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

जमालपुर बड़े नाला के दोनों साइड अतिक्रमण की जल्द होगी पैमाइश-जमालपुर नाले की सड़क का होगा चौड़ीकरण

- खैर रोड जल निकासी के लिए कल टूटेंगे अवैध स्लैब, रैंप अतिक्रमण-नगर निगम 2 जुलाई को सुबह 10 बजे अतिक्रमण हटाने की करेगा कार्यवाई

भारत संवाद

जमालपुर के वार्ड 59 मैं सड़क निर्माण के विवाद के कारण लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने पार्षद असलम नूर के साथ जमालपुर बड़ी मस्जिद वाली गली में सड़क निर्माण के विवाद को मौके पर जाकर देखा । स्थानीय लोगों से विवादित सड़क निर्माण व सड़क से स्थाई अतिक्रमण को हटाने के लिए लोगों से बातचीत की। लोगों की सहमति के आधार पर सड़क को एकरूपता के साथ निर्माण कराये जाने के लिए नगर आयुक्त ने सहायक अभियंता दानिश नकवी को अगले 3 दिनों में सड़क निर्माण कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय स्थानीय पार्षद असलम नूर ने जमालपुर नाले के दोनों साइड पर अवैध अतिक्रमण के कारण जाम लगने की समस्या से भी नगर आयुक्त को मौके पर अवगत कराया। नगर आयुक्त ने मौके पर ही नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त सपत्ति प्रभारी वीर सिंह को बुलाकर इस रोड की पैमाइश कराये जाने व अवैध अतिक्रमण को चिनिहत करने के लिए कहा।खैर रोड पर जल भराव की स्थिति देखने पहुँचे नगर आयुक्त को मौके पर 3 मोबाइल पंप पूरी क्षमता के

साथ चलते हुए मिले लेकिन चेतावनी के बावजूद नाले के ऊपर से अवैध रूप से रैंप और स्लैब डालकर अतिक्रमण किए गए भवन स्वामी और दुकान स्वामियों द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाने की वजह से जल निकासी समुचित रूप से नहीं हो रही थी जिस पर नगर आयुक्त ने सख्त नाराजगी जताई। मौके पर सहायक नगर आयुक्त ने बताया कल सुबह 10:00 बजे इस तरह के अतिक्रमणों को चिन्हित कर लिया गया उन्हें हटाने की पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में कार्रवाई की जाएगी।नगर आयुक्त ने कहा जल निकासी में बाधक अतिक्रमण किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे ऐसे भवन स्वामी और दुकानदारों से अपील की जाती है जल निकासी को प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम का सहयोग करें नाले के ऊपर स्लैब और रैंप को स्वयं हटाये।

महानगर कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने महानगर अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष के साथ साथ पूर्व विधायक विवेक बंसल का भी जताया आभार

डोली शर्मा संवादाता महानगर/ भारत संवाद

अलीगढ़। महानगर कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पूर्व विधायक विवेक बंसल के मैरिस रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय अयोध्या कुटी पर पहुंचकर पूर्व विधायक विवेक बंसल,जिलाध्यक्ष ठाकुर सोमवीर सिंह और महानगर अध्यक्ष नवेद खान का फूल मालाओं से माल्यार्पण करके एवं गुलदस्ते भेंट करके भव्य स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर विवेक बंसल ने कहा कि इन लोगों के कन्धों पर जिम्मेदारियों का जो वजन डाला गया है वो पार्टी नेतृत्व ने काफी सोच समझकर किया है और अब इनका कर्तव्य है कि यह लोग अपनी मेहनत से कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर से मजबूत करने का काम करें इसके साथ साथ ये भी समझ ले कि जो पदाधिकारी निष्ठापूर्वक पार्टी को ऊपर उठाने के लिए कार्य करेंगे उन्हें निश्चित रूप से कांग्रेस पार्टी संगठन में आगे बढाया जायेगा।इस अवसर पर स्वागत करने वाले कांग्रेसीजनों में शाहरुख खान, कैलाश बाल्मीकि,शाहिद खान,गोपाल मिश्रा,जितेन्द्र

कुमार तोशी,आमिल हुसैन, मोहम्मद जियाउद्दीन राही,प्रदीप रावत, सय्यद शहजाद खान,सरदार अजीत सिंह, यामीन खान मेव,अकील कुरैशी,ब्रजेश सविता,नादिर खान,आमिर मुन्तजिर, अशहर शबाब,जावेद यासीन,मोहम्मद दिलशाद,ललित कुमार देशमुख,मोहम्मद अनवार,नरेन्द्र मिश्रा,रईस गाजी,मोहम्मद शहबाज,दीपक भारद्वाज,सुमित कुमार कालू,मोहम्मद उर्फी,आमिर मुन्तजिर, चौधरी वीरेन्द्र सिंह,अजय बघेल,साजिद बेग,आजम कुरैशी,अतर सिंह,सुनील कुमार,मुकीम पठान,शादाब फजल, विशाल चौहान,जावेद जफर,इमरान रफीक,मोहम्मद शब्बीर,सोमेश चौहान, साजिद बाबू,नसर आलम और सैफउल्लाह कुरैशी के साथ अन्य कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे।

ग्रीष्मावकाश के पश्चात जिलाधिकारी ने स्कूल चलो अभियान के तहत रोरी का तिलक लगाकर व पुष्प से बच्चों का किया स्वागत

बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आने के लिए किया प्रेरित

मीरजापुर 01 जुलाई 2025- शैक्षिक सत्र 2025-26 में ग्रीष्मावकाश के पश्चात विद्यालय पुनः खुलने पर आज 01 जुलाई 2025 को जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा गोद लिये पी0एम0 श्री कम्पोजिट विद्यालय कछवा मीरजापुर में स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत प्रातः 10:00 बजे उनके द्वारा स्वयं दो बच्चों आयुष पुत्र संजय व विनिश यादव पुत्र श्री राजेश यादव का कक्षा 1 में नामांकन किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के नव प्रवेशित बच्चों को रोरी का तिलक लगाकर व पुष्प से स्वागत किया गया। बच्चों को अपने हाथों से पुस्तक, स्टेशनरी सामग्री एवं चॉकलेटस का वितरण किया गया। बच्चे स्टेशनरी सामग्री व चॉकलेट पाकर आहलादित हुए। जिलाधिकारी द्वारा बच्चो को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया। जिलाधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण में रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। स्कूल चलो अभियान की रैली नगर पंचायत कछवों के विभिन्न वार्डो में स्लोगन / नारे लगाते हुए रैली निकाला गया। जिलाधिकारी द्वारा उक्त विद्यालय में 1540 मीटर का मल्टीपरपज हॉल व उसके ऊपर 86 मीटर का 05 कमरों का निर्माण करवाने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा राजकीय बालिका इण्टर कालेज कछवाँ मीरजापुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय विद्यालय परिसर में एक आडिटोरियम बनवाने हेतु अधिशासी अभियन्ता नगर पंचायत कछवां को निर्देशित किया गया।

सपाईयों ने अखिलेश यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

भारत संवाद

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन विधानसभा प्रभारी सहारनपुर नगर और पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा के निवास पर साइकिल यात्रा का शुभारंभ करके पुल खुमरान बोमंजी रोड से शुरू कर के दालमंडी पुल , फवारा चैक , मोरगंज होते हुए भगत सिंह चैक पर समापन किया साइकिल यात्रा निकालकर पर्यावरण और स्वास्थ्य स्को बेहतर करने के लिए संदेश देने का काम किया और छोटे बच्चों के साथ मिलकर ढोल बजाते हुए केक काटकर अपनी खुशी का इजहार किया और मिष्ठान का वितरण किया सपा प्रमुख अखिलेश यादव जी के आदेश अनुसार मुलायम सिंह यादव चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए अभिषेक अरोड़ा ने 21000 का अकाउंट पेड़ चेक और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फैसल सलमानी ने ध्2100 का अकाउंट पेड़ चेक मुलायम सिंह यादव चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम काटकर कर मुलायम सिंह यादव चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम सपा मुख्यालय पर रजिस्ट्री के माध्यम से भेजने का काम किया अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने कहा कि आज गरीबों मजलूमों बेरोजगारों किसानों की लड़ाई लड़ने का काम आदरणीय अखिलेश यादव जी कर रहे हैं

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार का निर्णय लिया गया है। यह रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, ठहराव, संरचना एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

गाड़ी सं.	कहाँ से कहाँ तक	प्रस्थान का दिन	विस्तारित तिथि	
			से	तक
09117	उधना-सूबेदारगंज	शुक्रवार	04.07.2025	26.09.2025
*09118	सूबेदारगंज-उधना	शनिवार	05.07.2025	27.09.2025
*09075	मुम्बई सेन्ट्रल-काठगोदाम	बुधवार	02.07.2025	24.09.2025
*09076	काठगोदाम-मुम्बई सेन्ट्रल	गुरुवार	03.07.2025	25.09.2025
*09185	मुम्बई सेन्ट्रल-कानपुर अनवरगंज	रविवार	06.07.2025	28.09.2025
*09186	कानपुर अनवरगंज-मुम्बई सेन्ट्रल	सोमवार	07.07.2025	29.09.2025
*09039	उधना-धनबाद	शुक्रवार	04.07.2025	26.09.2025
*09040	धनबाद-उधना	रविवार	06.07.2025	28.09.2025
05045	लालकुआँ-राजकोट	रविवार	06.07.2025	31.08.2025
05046	राजकोट-लालकुआँ	सोमवार	07.07.2025	01.09.2025

महत्वपूर्ण सूचनाः- *गाड़ी 09075 मुम्बई सेंट्रल से दिन बुधवार को दिनांक 20.08.2025, 27.08.2025 एवं 03.09.2025, *गाड़ी संख्या 09076 काठगोदाम से दिन गुरुवार को दिनांक 21.08.2025, 28.08.2025 एवं 04.09.2025, *गाड़ी संख्या 09185 मुम्बई सेंट्रल से दिन रविवार दिनांक 24.08.2025, 31.08.2025 एवं 07.09.2025 तथा *गाड़ी संख्या 09186 कानपुर अनवरगंज से दिन सोमवार को दिनांक 25.08.2025, 01.09.2025 एवं 08.09.2025 को नहीं चलेगी।

*गाड़ी संख्या 09118 सूबेदारगंज-उधना का ग्वालियर स्टेशन पर समय में संशोधन किया गया है। इस गाड़ी का आगमन/प्रस्थान 04.05/04.10 के स्थान पर 04.30/04.35 पर होगा।

*गाड़ी संख्या 09039/09040 उधना-धनबाद-उधना को उधना-गया-उधना के स्थान पर धनबाद तक विस्तारित किया गया है। संशोधित समय सारणी निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. - 09039 उधना - धनबाद			गाड़ी सं. - 09040 धनबाद - उधना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	22:00	उधना	09:40	----
16:00	16:02	मानिकपुर	13:00	13:02
19:50	20:00	प्रयागराज छिवकी	09:55	10:05
21:25	21:27	मिर्ज़ापुर	08:20	08:22
08:00	----	धनबाद	----	23:50

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1142/25(A)

बैठक

समस्याओं के शीघ्र समाधान का दिया आश्वासन

विदेश व्यापार मंत्रालय भारत सरकार की अपर महानिदेशक सुश्री वृंदा मनोहर देसाई ने निर्यातकों के साथ की बैठक

भारत संवाद

अलीगढ़ 01 जुलाई 2025 (सू0वि0): भारत सरकार विदेश व्यापार मंत्रालय की अपर महानिदेशक सुश्री वृंदा मनोहर देसाई ने मंगलवार को अलीगढ़ में प्रमुख निर्यातकों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। बैठक में निर्यातकों द्वारा कच्चे माल (रॉ मैटेरियल) की दरें कम से कम तीन माह तक स्थिर रखने, निर्यात ऋण पर

ब्याज अनुदान उपलब्ध कराने और क्लेम प्राप्ति की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए न्यूनतम दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करने की मांग प्रमुखता से रखी गई। बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्यातकों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे बाजार विपणन प्रोत्साहन योजना एवं गेटवे पोर्ट अनुदान योजना की भी विस्तृत जानकारी दी गई।जिला उद्योग केंद्र के सहायक प्रबंधक बृजेश यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश निर्यात नीति-2025 तैयार की जा रही है, जिसके लिए प्रदेश भर के निर्यातकों से सुझाव प्राप्त किए जा चुके हैं।निर्यातकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए सुश्री देसाई ने आश्वस्त किया कि उनके समाधान के लिए शीघ्र सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला निर्यात समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं और उनमें निर्यातकों द्वारा उठाए गए मुद्दों का त्वरित समाधान कराया जाए। यदि किसी विभाग द्वारा निर्यातकों की समस्याओं के निराकरण में लापरवाही बरती जाती है, तो इसकी सूचना सीधे उन्हें उपलब्ध कराई जाए।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

चुकंदर से बनाएं फेशियल से मिलेगी ग्लास स्किन, 10 मिनट में मिलेगा पार्लर जैसा निखार

अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। आज हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

आज के समय में हर महिला ग्लास स्किन पाना चाहती है। ऐसी स्किन जो इतनी साफ और निखरी हो कि शीशे की तरह चमके। इस तरह का निखार पाने के लिए महिलाएं अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन आप किचन में मौजूद एक चीज से अच्छे रिजल्ट पा सकती हैं। वो भी सिर्फ 20 रुपए में। बता दें कि चुकंदर सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है। चुकंदर में एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

फेस क्लींजिंग

फेशियल का सबसे पहला और जरूरी स्टेप स्किन की गहरानी से सफाई करता है। इससे स्किन की धूल-मिट्टी और ऑयल को दूर किया जा सकता है। वहीं चुकंदर का रस नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। जोकि स्किन के पोर्स साफ करता है और विटामिन देता है। गुलाब जल स्किन को शांत करने के साथ ही नमी देने का काम करता है और स्किन के पीएच बैलेंस को बनाए रखता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
गुलाब जल-2 चम्मच
विधि

चुकंदर के रस में गुलाबजल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद कॉटन को भिगोकर फेस और गर्दन को अच्छे से साफ कर लें।

ऐसा करने से सारी गंदगी साफ हो जाएगी और ऑयल भी साफ होगा। इससे आपकी तरोताजा लगेगी।

फेस स्क्रब

बता दें कि क्लींजिंग के बाद स्किन को एक्सफोलिएट करना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि डेड स्किन सेल्स हट जाएं और आपकी स्किन खुलकर सांस ले सके। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या दूर होती है। वहीं कॉफी नेचुरल एक्सफोलिएट है, जोकि डेड स्किन को हटाने, स्किन को स्मूथ बनाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। चुकंदर का रस स्किन को पोषण और ग्लो देने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम?मच
कॉफी पाउडर- 2 चुटकी
विधि

चुकंदर के जूस में कॉफी पाउडर मिलाकर इसको अच्छे से मिक्स करके दरदरा पेस्ट बनाएं।

अब इस स्क्रब को फेस और गर्दन पर लगाएं और उंगलियों में पोरों से हल्के हाथों से फेस पर 2-3 मिनट के लिए मसाज करें।

कुछ देर मसाज करने के बाद फेस को गुनगुने पानी से धो लें।

इससे आपका चेहरा पहले से ज्यादा साफ और चमकदार नजर आएगा।

स्किन लाइटिंग जेल

स्क्रबिंग के बाद स्किन को शांत करने और नमी देना जरूरी होता है। स्किन लाइटनिंग जेल आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ चमकदार बनाने का काम करता है। एलोवेरा जेल हाइड्रेटिंग, सूदिंग और हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एलोवेरा स्किन की जलन को कम करता है, नमी को लॉक करता है और स्किन को सॉफ्ट बनाता है। एलोवेरा को चुकंदर के साथ मिलाकर लगाने से स्किन की रंगत में सुधार होता है और ग्लो आता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
एलोवेरा जेल- 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले चुकंदर के रस में एलोवेरा जूस को अच्छे से मिक्स करें।

अब फेस को साफ करके 5 मिनट मसाज करें।

इसके बाद चेहरे को धो लें।

फेस पैक

फेशियल का लास्ट स्टेप फेस पैक होता है, जो आपकी स्किन को टाइट करने का काम करता है। स्किन को पोषण देता है और परमानेंट ग्लो देता है। इस फेस पैक में मौजूद बेसन आपकी स्किन की गहराई से सफाई करता है और एक्स्ट्रा ऑयल को सोखता है और स्किन की रंगत को निखारने का काम करता है। वहीं गेहूं का आटा स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ टैनिंग को रिमूव करने में भी मदद करता है। साथ ही चुकंदर का रस इस फेस पैक को एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर बनाने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
आटा- 1 चम्मच
बेसन- 1 चम्मच

विधि

सबसे पहले बेसन में आटा और चुकंदर का जूस मिलाकर फेस पैक बनाएं।

अब इसको लाइटनिंग फेस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

फिर 20 मिनट बाद फेस वॉश कर लें।

चुकंदर फेशियल के सभी स्टेप्स को पूरा करने के बाद आप पाएंगे कि आपकी स्किन में पॉजिटिव बदलाव आए हैं। इससे न सिर्फ आपकी स्किन साफ और तरोताजा बनेगी, बल्कि सॉफ्ट और शाइनी बन जाएगी। ठीक वैसे जैसे ग्लास स्किन होती है। इस फेशियल को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करने से आपकी स्किन की रंगत में सुधार होता है, स्पॉट्स आदि कम होते हैं और बिना किसी खर्चे के आपको शीशे जैसी चमकती स्किन मिलेगी।

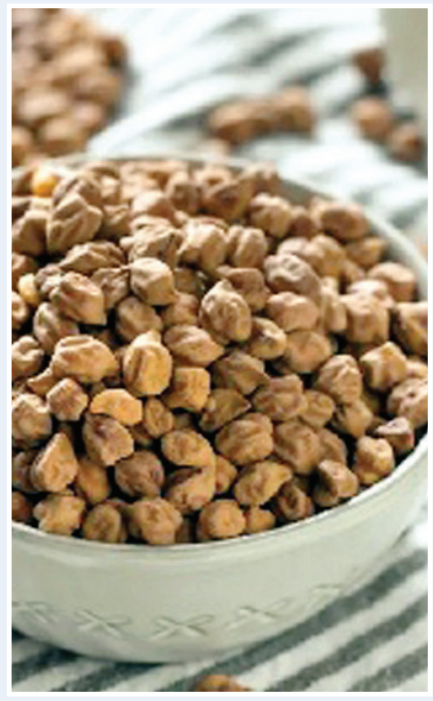

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

घर पर बना रहे हैं पंजाबी दाल तड़का, ये टिप्स आएंगे आपके बेहद काम

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

जब कुछ हल्का लेकिन टेस्टी खाने का मन होता है तो हम अक्सर दाल खाना पसंद करते हैं। अमूमन दाल को घर-घर में अलग तरीकों से बनाया जाता है। लेकिन अगर आपको चटपटा खाना पसंद आता है तो ऐसे में आप पंजाबी दाल तड़का बनाकर उसका स्वाद चख सकते हैं। पंजाबी दाल तड़का में लहसुन की खुशबू और ऊपर से लगाया हुआ तड़का आपको स्वाद की एक अलग दुनिया में लेकर आता है। आप दाल तड़का को चावल के साथ या फिर तंदूरी रोटी के साथ खा सकते हैं।

लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हर बार दाल वैसी नहीं बनती। कभी ज्यादा पानीदार हो जाती है तो कभी इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पंजाबी दाल तड़का बनाते हुए कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करें। इन टिप्स की मदद से आपकी दाल एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल बनती है और हर किसी को वह खाने में बेहद ही अच्छी लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पंजाबी दाल तड़का बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

अलग-अलग दालों का करें इस्तेमाल

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

दाल को आधे घंटे भिगोएं

दाल को कभी भी सीधे ही उबालने के लिए नहीं रखना चाहिए। इसकी जगह आप इसे कम से कम 30 मिनट भिगो कर रखें। इससे दाल जल्दी पकती है, बराबर पकती है और पाचन भी आसान होता है। ये रेस्टोरेंट वाली स्मूथ दाल की टेक्सचर का राज है।

दाल को अच्छी तरह पकाएं

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह पूरी तरह नरम होनी चाहिए, दानेदार नहीं। इसके लिए दाल में कम से कम 3-4 सीटी लगाओ, फिर अच्छी तरह मैश करो। मैश करने से दाल चिकनी और क्रीमी बनती है, जो रोटी या चावल के साथ खाने में काफी अच्छी लगती है।

तड़के का रखें ख्याल

पंजाबी दाल तड़का का असली स्वाद उसके तड़के में छिपा होता है, इसलिए आप उसके साथ किसी तरह का समझौता ना करें। तड़के के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले उसे अच्छे से गरम करो, फिर जीरा, हींग, लहसुन और प्याज डालो। गरम घी में जीरा और लहसुन का पूरा स्वाद आता है और उसकी खुशबू निकलती है। अब आप इसे ठंडे घी में डालोगे तो वो क्रैकलिंग नहीं करेगा और फ्लेवर भी नहीं आएगा।

थाइलैंड में कोर्ट ने पीएम को पद से हटाया

कंबोडिया के नेता से बात करते हुए आर्मी चीफ की आलोचना की थी; अब डिप्टी पीएम पद संभालेंगे

एजेंसी

बैंकॉक, थाईलैंड के संवैधानिक न्यायालय ने पीएम पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा को उनके पद से सस्पेंड कर दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने कंबोडिया के नेता हुन सेन से फोन पर बातचीत की थी। इस बातचीत में उन्होंने थाई सेना के कमांडर की आलोचना की थी। इसे थाईलैंड में गंभीर मामला माना जाता है क्योंकि सेना का वहां काफी प्रभाव है। इस बातचीत के लीक होने के बाद देशभर में गुस्सा फैल गया था। कोर्ट ने 7-2 के अंतर से पीएम को पद से हटाया। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ शिकायत की जांच की जाएगी। अगर वह दोषी पाई गईं तो उन्हें हमेशा के लिए पद से हटाया जा सकता है। पीएम ने खिलाफ नैतिकता के उल्लंघन का मामला स्वीकार कर लिया है और अब जांच पूरी होने तक वह प्रधानमंत्री के पद पर काम नहीं कर सकेंगी। जब तक इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं होता, तब तक डिप्टी पीएम फुमथम वेचायाचाई सरकार चलाएंगे। सहयोगी पार्टी ने साथ छोड़ा,

अब सरकार पर संकट इस कॉल के लीक होने से सरकार पर भारी दबाव बना हुआ है। एक बड़ी पार्टी गठबंधन छोड़ चुकी है, जिससे गठबंधन बहुमत कमजोर हो गया है। पाइतोंग्तार्न ने माफी मांगते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणी सिर्फ विवाद सुलझाने के लिए थी। पाइतोंग्तार्न ने कहा है कि वह कोर्ट की प्रक्रिया का सम्मान करेंगी और उसे मानेंगी, लेकिन उन्होंने यह भी माना कि वह चिंतित हैं। इस बीच पाइतोंग्तार्न के खिलाफ भ्रष्टाचार आयोग भी जांच कर रहा है, जिससे उन पर पद से हटाए जाने का खतरा और बढ़ गया है। वहीं, थाई राजा ने उनके मंत्रिमंडल में बदलाव को मंजूरी दी है। नए फेरबदल में कुछ पुराने मंत्रियों को हटाकर नए लोगों को शामिल किया गया है। इस बीच पाइतोंग्तार्न ने खुद को संस्कृति मंत्री बना लिया है। उन्होंने कहा कि वह थाई संस्कृति को दुनिया भर में पहचान दिलाने पर काम करेंगी। थाईलैंड और कंबोडिया दुनिया के सबसे अच्छे पड़ोसी देशों में से माने जाते थे। कुछ साल पहले तक दोनों देशों के नेताओं का मानना था कि उनकी दोस्ती कभी नहीं टूटेगी, क्योंकि वे एक लंबी सीमा साझा करते हैं और मिलकर आगे बढ़ना उनके लिए जरूरी है। लेकिन हाल के समय में हालात बदल गए और उनके बीच तनाव काफी बढ़ गया है। 28 मई को सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी। यह वो जगह है थाईलैंड, कंबोडिया और लाओस की सीमाएं मिलती हैं। थाईलैंड और कंबोडिया दोनों ही इस इलाके पर दावा करते हैं। सैनिक की मौत से नाराज होकर कंबोडिया के नेता हुन सेन ने सीमा पर और सैनिक और हथियार भेजने का आदेश दिया, उन्होंने कहा कि वे युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हमला होने पर जवाब देना पड़ेगा। थाई पीएम ने इसके जवाब में कहा कि थाईलैंड ऐसी किसी धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा।

इसके बाद कंबोडिया ने धमकी दी कि वह इस विवाद को अंतरराष्ट्रीय अदालत में ले जाएगा, लेकिन थाईलैंड ने यह कहकर इनकार कर दिया कि वह अदालत के अधिकार को नहीं मानता। इसके बाद थाईलैंड ने कंबोडिया की बिजली और इंटरनेट सेवा रोकने की धमकी दी, तो कंबोडिया ने थाई टीवी और फिल्मों पर बैन लगा दिया और थाई प्रोडक्ट्स के आयात पर रोक लगा दी।

तुर्किये में पैगंबर मोहम्मद के कथित कार्टून पर विवाद

मिसाइलों की बारिश के बीच मूसा से हाथ मिलाते दिखे, कार्टूनिस्ट समेत 4 गिरफ्तार

एजेंसी

अंकारा, तुर्किये में पैगंबर मोहम्मद का कार्टून छपने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, लेमैन मैगजीन ने 26 जून को एक कार्टून पब्लिश किया था, जिसमें पैगंबर मोहम्मद और पैगंबर मूसा जैसे दिखने वाले दो शख्स को आसमान से गिरती मिसाइलों के बीच हवा में हाथ मिलाते हुए दिखाया गया था। इस कार्टून के सामने आने के बाद पूरे तुर्किये में लोगों का गुस्सा भड़क गया। गुस्साए लोगों ने इस्तांबुल में लेमैन मैगजीन के ऑफिस के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। वे दांत के बदले

दांत, खून के बदला खून के नारे लगा रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने, जो एक इस्लामिक संगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं, पत्रिका के दफ्तर पर पत्थरबाजी भी की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्टून बनाने वाले कार्टूनिस्ट डोगन पहलवान को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा लेमैन के चीफ एडिटर, मैनेजिंग एडिटर और ग्राफिक डिजाइनर की भी गिरफ्तारी हुई है। घटना के बाद तुर्किये के गृहमंत्री अली येरलिकाया ने बयान जारी कर कहा कि यह प्रेस की आजादी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि धार्मिक भावनाओं का अपमान है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। तुर्किये के न्याय मंत्री यिलमाज टुंक ने कहा कि इस तरह के कार्टून धार्मिक भावनाओं और सामाजिक सौहार्द का अपमान करते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कोई भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का बहाना बनाकर किसी धर्म के प्रतीकों का अपमान नहीं कर सकता। गृह मंत्री येरलिकाया ने कहा कि वे पैगंबर साहब का मजाक उड़ाने वाले इस शर्मनाक कार्टून की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें हमारे धार्मिक भावनाओं का अपमान करती हैं। मुसलमानों के दिल को ठेस पहुंचाती हैं। ये काम लोगों को भड़काने वाले हैं और जो ऐसा करने की कोशिश करेंगे, उन्हें कानून के सामने जवाब देना होगा। उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें कार्टूनिस्ट को हथकड़ी लगाकर सीढ़ियों पर ले जाया जा रहा है।

ट्रम्प बोले-सब्सिडी बंद की तो मस्क को अफ्रीका लौटना पड़ेगा

दुकान बंद हो जाएगी, फिर न कार बनेगी, न सैटेलाइट लॉन्च होंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क पर तंज कसा। उन्होंने कहा- अगर मस्क को मिलने वाली सब्सिडी बंद हो जाए, तो उनको अपनी दुकान (कंपनी) बंद करके दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़ेगा। ट्रम्प के कहा कि सब्सिडी बंद होने से न तो टेस्ला इलेक्ट्रिक कार का प्रोडक्शन कर पाएगी, न ही स्पेसएक्स के रॉकेट, सैटेलाइट लॉन्च होंगे। ट्रम्प ने दावा किया कि मस्क को सरकारी सब्सिडी के तौर पर इतना पैसा मिला है, जितना शायद किसी और को नहीं मिला। उन्होंने सुझाव दिया कि डीओजीई इस मामले की डिटेल जांच करे। इससे देश का पैसा बचेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- मस्क को राष्ट्रपति पद के लिए मेरा समर्थन करने से बहुत पहले ही पता था कि मैं ई.वी मैंडेट के खिलाफ हूं। इलेक्ट्रिक गाड़ियां अच्छी हैं, लेकिन हर इंसान को इन्हें खरीदने के लिए मजबूर करना गलत है। दरअसल, इलॉन मस्क ने शनिवार को ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल की एक बार फिर से आलोचना की थी। मस्क ने शनिवार को एक्स पर लिखा था- ट्रम्प का यह बिल अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा। मस्क ने कहा, यह पूरी तरह पागलपन से भरा और विनाशकारी है। यह कानून पुराने उद्योगों को रियायत देता है, लेकिन भविष्य के उद्योगों को तबाह कर देगा। मस्क ने पिछले महीने इस बिल को लेकर ट्रम्प प्रशासन में गवर्नमेंट एफिशिएंसी विभाग के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया था। अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल को चर्चा के लिए मंजूरी दे दी है। शनिवार देर रात हुई वोटिंग में सीनेट ने 51-49 वोटों के अंतर से एक प्रस्ताव पारित किया, जिससे सदन को बिल पर बहस शुरू करने की इजाजत मिल गई।

दो रिपब्लिकन सीनेटरों ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया। वोटिंग के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मौजूद थे क्योंकि टाई की स्थिति में उनके वोट करने की जरूरत पड़ सकती थी। ट्रम्प टैक्स और खर्च में कटौती करने वाले इस बिल को 4 जुलाई से पहले पारित कराना चाहते हैं। ट्रम्प और मस्क दो महीने पहले बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर आमने-सामने आ गए थे। ट्रम्प इस बिल के समर्थन में हैं, जबकि मस्क खिलाफ। ट्रम्प का दावा है कि यह देशभक्ति से भरा हुआ कानून है। इसके पारित होने से अमेरिका में निवेश बढ़ेगा और चीन पर निर्भरता घटेगी। जबकि मस्क इसे पोर्क फिल्ड यानी कि बेकार खर्चों से भरा बिल मानते हैं। ट्रम्प और मस्क के बीच 5 जून को बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर बहस तब शुरू हुई जब ट्रम्प ने मीडिया से बात करते हुए मस्क को लेकर नाराजगी जताई थी। ट्रम्प ने कहा था कि जब हमने अनिवार्य तौर पर इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के कानून में कटौती करने की बात कही तो मस्क को दिक्कत होने लगी। मैं इलॉन से बहुत निराश हूं। मैंने उनकी बहुत मदद की है।

इसके बाद मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रम्प को एहसान फरामोश बताते हुए लगातार कई ट्वीट किए।

हिंदू युवती से दुष्कर्म मामले में बांग्लादेश में विरोध तेज

आरोपियों ने रेप का वीडियो बनाकर वायरल किया; पुलिस ने एक्सट्रामैरिटल अफेयर बताने की कोशिश की

एजेंसी

ढाका, कुमिल्ला के मुरादनगर में 26 जून 2025 को 21 वर्षीय हिंदू युवती के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर देशभर में प्रदर्शन और सियासत तेज हो गई है। एक ओर जहां हिंदू संगठनों और मानवाधिकार संगठनों ने देशभर के कई शहरों में उग्र प्रदर्शन किया। उधर, राजनीतिक दलों में इस घटना पर विवाद छिड़ गया। पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट

पार्टी (बीएनपी) ने आरोपी फजोर अली को एक-दूसरे का नेता बताकर आरोप लगाए। जमात-ए-इस्लामी ने भी इस मामले में बीएनपी को निशाना बनाया। पहले बांग्लादेश पुलिस और यूनुस समर्थकों ने इस मामले को एक्सट्रामैरिटल अफेयर बताने की कोशिश की। वहीं, कुमिल्ला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एकेएम कमरुज्जमां ने जांच में इसे क्रूर यातना का मामला बताया। उन्होंने कहा कि पीड़ित सरल स्वभाव की है और एक्सट्रामैरिटल अफेयर का कोई सबूत नहीं मिला। इसके बाद अल्पसंख्यक समुदाय में गुस्सा फैल गया। ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों ने रात में विरोध मार्च निकाला। सात जिलों में हिंदू समुदाय ने मानव श्रृंखला बनाकर न्याय की मांग की। हाईकोर्ट ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए पीड़ित की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया। जस्टिस फहमिदा कादर और जस्टिस सैयद जाहिद मंसूर की बेंच ने रविवार को एक रिट याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के बाद यह निर्देश जारी किया। कोर्ट ने सभी सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से पीड़ित के वीडियो और तस्वीरें 24 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया। पीड़ित को चिकित्सा और सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार कर्मचारियों के लिए आरक्षण नीति लागू की, पदोन्नति में भी मिलेगा लाभ

यह नीति 23 जून 2025 से प्रभावी हुई है और इसमें रजिस्ट्रार, वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष जैसे पद शामिल हैं.

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कर्मचारियों के लिए पहली बार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्गों को सीधी नियुक्ति और पदोन्नति में आरक्षण देने की नीति को औपचारिक रूप से लागू कर दिया है. इस निर्णय को न्यायालय के प्रशासनिक ढांचे में सामाजिक न्याय और प्रतिनिधित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. यह नीति न्यायाधीशों पर लागू नहीं होगी. किन पदों पर लागू होगी नीति नई आरक्षण नीति रजिस्ट्रार, वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, कनिष्ठ न्यायालय सहायक, और चैंबर अटेंडेंट जैसे प्रशासनिक और सहायक पदों पर लागू होगी. इससे इन वर्गों के कर्मचारियों को पदोन्नति और नियुक्ति में आरक्षित अवसर मिल सकेंगे परिपत्र में आगे कहा गया है, यदि किसी कर्मचारी को रोस्टर या रजिस्टर में कोई त्रुटि दिखाई दे, तो वे रजिस्ट्रार (भर्ती) को आपत्ति/प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं. यह आरक्षण न केवल नई नियुक्तियों, बल्कि पदोन्नति में भी लागू किया

24 जून को जारी हुआ परिपत्र

सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारियों को 24 जून को जारी एक परिपत्र के माध्यम से यह जानकारी दी गई. इसमें कहा गया कि मॉडल आरक्षण रोस्टर और संबंधित रजिस्टर को सुप्रीम कोर्ट के आंतरिक नेटवर्क "सुपनेट" पर अपलोड कर दिया गया है, और यह नीति 23 जून 2025 से प्रभावी मानी जाएगी.

जाएगा. मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई के कार्यकाल में आया निर्णय यह ऐतिहासिक निर्णय उस समय आया है जब भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई सर्वोच्च न्यायालय का नेतृत्व कर रहे हैं. वे अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले देश के दूसरे मुख्य न्यायाधीश हैं. उनके कार्यकाल में आया यह बदलाव न्यायपालिका में प्रतिनिधित्व और समावेशिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है. समावेशी न्यायपालिका की दिशा में कदम यह नीति सुप्रीम कोर्ट के भीतर विविधता और समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है. लंबे समय से चली आ रही मांगों और बहसों के बीच यह फैसला न्यायपालिका के प्रशासनिक ढांचे को अधिक प्रतिनिधित्वशील और उत्तरदायी बनाने की कोशिश है.

राजस्थान के अलवर में सड़कें डूबीं, घरों में पानी:हिमाचल में 11 जगह बादल फटा, 5 की मौत

उत्तराखंड में सोमवार को कोटद्वार-बद्रीनाथ मार्ग पर सतपुली के पास लैंडस्लाइड की वजह से पौड़ी-मेरठ नेशनल हाईवे बंद हो गया। उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड के कारण यमुनोत्री हाईवे बंद हो गया है। देशभर में बारिश से जुड़े अपडेट्स के लिए नीचे दिए ब्लॉग से गुजर राजस्थान के अलवर में बाढ़ जैसे हालात, महिला थाने, अस्पताल में पानी भराराजस्थान के अलवर में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं।

16 लापता; प्रयागराज में गंगा-यमुना में बाढ़

एजेंसी

नई दिल्ली ,देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसूनी बारिश जारी है। राजस्थान के अलवर में सोमवार को भारी बारिश के चलते सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा-यमुना में बाढ़ जैसे हालात हैं। घाट की तरफ 500 मीटर आगे तक पानी भर गया है।हिमाचल प्रदेश के मंडी में पिछले 24 घंटे में 11 जगह बादल फटा। बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है, 16 लोग लापता हैं। उत्तराखंड में सोमवार को कोटद्वार-बद्रीनाथ मार्ग पर सतपुली के पास लैंडस्लाइड की वजह से पौड़ी-मेरठ नेशनल हाईवे बंद हो गया। उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड के कारण यमुनोत्री हाईवे बंद हो गया है। देशभर में बारिश से जुड़े अपडेट्स के लिए नीचे दिए ब्लॉग से गुजर राजस्थान के अलवर में बाढ़ जैसे हालात, महिला थाने, अस्पताल में पानी भराराजस्थान के अलवर में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। सुबह 7 से 8 बजे के बीच हुई तेज बरसात के बाद सड़कों पर पानी भर गया। दर्जनों गाड़ियां फंस गईं। यहां महिला थाने से लेकर हॉस्पिटल तक में कई फीट पानी भर गया। गायत्री मंदिर रोड पर गायत्री कॉलोनी, एसपी ऑफिस के पास सरकारी क्वार्टर में करीब एक फीट पानी जमा है। यहां आस-पास की दुकानों में भी जलभराव हो गया है। बस स्टैंड, होपसर्कस इलाके के बाजारों में दो फीट से ज्यादा पानी जमा हो गया।

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में 9 सेकेंड में नदी में समाया मकान

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। नदी में कटान शुरू हो गया है। मजरा घोसियाना गांव में 9 सेकेंड में एक पक्का मकान नदी में समा गया। वाराणसी में गंगा उफान पर हैं। हर घंटे 50 की रफ्तार से पानी बढ़ रहा है। मणिकर्णिका घाट तक पानी आ गया है। गंगा द्वार घाट से मणिकर्णिका घाट का संपर्क टूट गया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत-पाकिस्तान के बीच होगी बातः कैदियों और मछुआरों की लिस्ट का आदान-प्रदान

पाकिस्तान ने अपनी हिरासत में मौजूद भारतीय कैदियों मछुआरों के नाम नई दिल्ली के साथ साझा किए हैं.

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत और पाकिस्तान ने मंगलवार को राजनयिक चैनलों के माध्यम से एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूचियों का आदान-प्रदान किया. 2008 में हुए द्विपक्षीय काउंसलर एक्सेस समझौते के प्रावधानों के तहत ऐसी सूचियों का आदान-प्रदान हर साल 1 जनवरी और 1 जुलाई को किया जाता है. विदेश मंत्रालय ने कहा, ₹भारत ने अपनी हिरासत में 382 नागरिक कैदियों और 81 मछुआरों के नाम साझा किए हैं, जो पाकिस्तानी हैं या जिनके बारे में माना जाता है कि वे पाकिस्तानी नागरिक हैं. इसी तरह, पाकिस्तान ने अपनी हिरासत में 53 नागरिक कैदियों और 193 मछुआरों के नाम साझा किए हैं, जो भारतीय हैं या जिनके बारे में माना जाता है कि वे भारतीय हैं.विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस रिलीज में कहा, भारत सरकार ने पाकिस्तान की हिरासत से नागरिक कैदियों, मछुआरों और उनकी नावों लापता भारतीय रक्षा कर्मियों की शीघ्र रिहाई और स्वदेश वापसी का आह्वान किया है.

उत्तराखंड में भी कांवड़ रूट पर लिखना होगा दुकानों पर नाम, वरना लगेगा दो लाख का जुर्माना, शासन का आदेश

स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान पंडालों, भंडारों और अन्य भोजन केंद्रों पर परोसे जा रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा. मिलावटखोरों और मानकों से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी. यात्रियों की सेहत हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की विशेष टीमें हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, पौड़ी और उत्तरकाशी जिलों में तैनात की गई हैं.

कांवड़ यात्रा को लेकर उत्तराखंड शासन ने स्पष्ट कर दिया है कि दुकानों के बाहर संचालक को अपना पहचान पत्र लगना होगा.

एजेंसी

देहरादूनः यूपी के बाद उत्तराखंड में भी कांवड़ यात्रा के दौरान रेहड़ी-पटरी, ढ़ाबा और अन्य दुकानदारों को फोटो के साथ पहचान पत्र व फुड लाइसेंस साफ-साफ लिखकर लगाना होगा. इसको लेकर खाघ सुरक्षा एंव औषधी प्रशासन की तरफ से आदेश भी जारी किया गया है.बता दें कि आगामी 11 जुलाई से कांवड़ मेला शुरू होने जा रहा है. कांवड़ मेले के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध और साफ सुथरा भोजन मिले, इसके लिए स्वास्थ्य सचिव और आयुक्त खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन आर राजेश कुमार की तरफ से कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य है.जारी

दिशा निर्देश के अनुसार हर खाद्य कारोबारी को अपने लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र की एक साफ-सुथरी प्रति अपने दुकान में ऐसी जगह पर लगानी होगी, जिसे उपभोक्ता आसानी से देख और पढ़ सकें. छोटे व्यापारियों व ठेले-फड़ वालों को भी अपना फोटो पहचान पत्र और पंजीकरण प्रमाण पत्र अपने पास रखना और दिखाना जरूरी होगा.होटल, भोजनालय, ढाबा और रेस्टोरेंट में 'फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड' भी साफ-साफ दिखाई देने वाले स्थान पर लगाया जाना चाहिए, जिससे ग्राहक को यह पता चल सके कि खाने की गुणवत्ता की जिम्मेदारी किसकी है. जो कारोबारी ये निर्देश नहीं मानेंगे, उनके खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 की धारा 55 के तहत कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 2 लाख रुपए तक का जुमार्ना लग सकता है. सभी संबंधित अधिकारी इन आदेशों का कड़ाई से पालन कराएंगे. श्रद्धालुओं की सेहत के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा.स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान पंडालों, भंडारों और अन्य भोजन केंद्रों पर परोसे जा रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा. मिलावटखोरों और मानकों से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी. यात्रियों की सेहत हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है.